दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

टॉक्सिक फिर हुई पोस्टपोन, अब ...8
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार ,01 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 132 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

महिला–विरोधी मानसिकता, सीएम योगी ने महिला आरक्षण पर सपा और कांग्रेस को घेरा, बोले– इनका चेहरा बेनकाब हुआ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें ष्महिला–विरोधीष् करार दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन बिल का विरोध करके विपक्षी दलों ने अपनी असल मानसिकता पूरे देश के सामने उजागर कर दी है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी श्छक्।श गठबंधन पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप भी लगाया।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बाहर एक प्रेस ब्रीफिंग में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्छक्। गठबंधन महिला आरक्षण बिल का विरोध करके भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि यह विशेष सत्र विपक्ष द्वारा संसद में महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करने के कदम पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

आदित्यनाथ ने पत्रकारों से कहा, ष्हर व्यक्ति समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगे नारों से वाकिफ है... समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला–विरोधी हैं, यह बात हर कोई जानता है।ष उन्होंने कहा, ष्उनके पास महिला आरक्षण बिल का समर्थन करके अपनी छवि सुधारने का मौका था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और प्छक्। गठबंधन ने महिला आरक्षण का विरोध सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की। वे देश में अस्थिरता पैदा करना चाहते थे।ष

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने न्विधानसभा का विशेष सत्र गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका मुख्य विषय महिला आरक्षण है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 18वीं विधानसभा का दूसरा सत्र गुरुवार, 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे बुलाया है। समाजवादी पार्टी ने इस सत्र को लेकर ठश्रच की आलोचना की है और कहा है कि भगवा पार्टी संसद में पारित न हो सके संवैधानिक संशोधन बिल को लेकर सदन में एक ष्असंवैधानिकष् निंदा प्रस्ताव पेश करना चाहती है। पार्टी ने कहा कि ठश्रच लोगों को, और विशेष रूप से महिलाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। ष्हम उस प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हैं जिसे वे लाना चाहते हैं। जब संसद में उनका बिल गिर गया, तो लोगों को गुमराह करने के लिए उन्होंने इस हथकंडे का सहारा लिया,ष समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडे ने कहा, जो उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं।

अपराध का 'हब' बनता सिद्धार्थनगर? एक के बाद एक मिल रही लाशों से थर्राया जनपद

जमीनी विवाद में 22 वर्षीय युवक की गई जान,परिजनों ने किया लाश के साथ चक्का जाम,न्याय की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश /राजेश शर्मा

लोटन/सिद्धार्थनगर। कोतवाली क्षेत्र के धरनिहवा टोला कोल्हुआ जमीनी विवाद में 24 अप्रैल को दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान बुधवार देर रात मौत हो गई। कोल्हुआ निवासी संदीप यादव पुत्र शिवमूरत उम्र 22 वर्ष 24 अप्रैल को अपने चाचा के साथ लोटन से घर जा रहा था। संदीप के चाचा ने 24 अप्रैल को पुलिस को तहरीर देकर कहा कि मैं अपने भतीजे संदीप को बाइक से लेकर घर आ रहा था। उसी दौरान गांव के बाहर कुछ दबंगों द्वारा भतीजे को मारते पीटते हुए घर में ले जाया गया। और घर के अंदर ले जाकर रस्सी से हाथ पैर बांध दिया गया और बुरी तरह मारा पिटा गया। 13 लोगों के खिलाफ शांति भंग घटना सुनकर मौके पर पहुंची में मुकदम्मा दर्ज किया गया

भाभी को भी भद्दी भद्दी गाली देने लगे और ईंट से भतीजे और भाभी को मारने लगे। दोनों को गंभीर चोट आईं। ग्रामीणों द्वारा किसी तरह मेरे भाभी और भतीजे को बचाया गया। 24 अप्रैल को तहरीर देने पर लोटन पुलिस ने 8 नामजद व 5 अज्ञात कुल गुरुवार को धरने के बाद परिजन के द्वारा पुनः तहरीर देने पर लोटन पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। इस मामले में लोटन पुलिस कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है ।बाकी आरोपियों पर पुलिस दबिस दे रही है। मालूम हो कि संदीप का चोट लगने के कारण संदीप की हालत बुधवार को अचानक खराब होने लगा। स्थिति ठीक न होने के कारण परिजन मृतक को जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल में इलाज ले जा रहे थे। अभी बाराबंकी पहुंचे ही थे कि संदीप की बुधवार देर रात मौत हो गई। सूचना मिलते ही सी ओ सदर , एस डी एम कल्याण सिंह मौर्य, ए. एस .पी .देर रात मृतक के गांव पहुंचे। रात भर सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने शव को लाकर सुबह लगभग आठ बजे लोटन कस्बे के मुख्य तिराहे पर रखकर चक्का जाम करके अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। आक्रोशित लोगों ने पुलिस मुर्दाबाद के नारे लगाए। लगभग साढ़े पांच घंटा सड़क जाम रही। लोटन कस्बा पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। काफी मशक्कत के बाद लगभग साढ़े पांच घंटे बाद पुलिस द्वारा आरोपियों की 24 घंटे के अन्दर गिरफ्तार करने का आश्वासन देने पर परिजन ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा। पुलिस केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है। मृतक के पिता रोजी रोटी के बाहर गया हुआ था। घटना सुनकर वहॉ से चल दिया। पुलिस लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खेसरहा में संदिग्ध हालात में राजमिस्त्री की मौत, झोपड़ी में फंदे से लटका मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के बदुरगहना गांव में बुधवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 40 वर्षीय राजमिस्त्री बलिराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव फूस से बनी झोपड़ी में बांस के सहारे फंदे से लटका मिला, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, बदुरगहना निवासी बलिराम (पुत्र शिवचरन) रोज़ी–रोटी के लिए राजमिस्त्री का काम करता था और अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। घटना के समय जब परिजनों ने उसे इस हालत में देखा, तो चीख–पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर खेसरहा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों के लिखित अनुरोध पर पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के बिना ही अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। परिजनों के अनुसार, बलिराम कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान था और उसका इलाज भी चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण उसने यह कदम उठाया होगा, हालांकि पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए आवश्यक जानकारी जुटा रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी आरती, वृद्ध माता–पिता और तीन बच्चोंकृभोला, कृष्णनाथ व उर्मिलाकृको छोड़ गया है। अचानक हुई इस घटना से परिवार पूरी तरह टूट गया है और गांव में शोक का माहौल है।

शादी में जाने निकले छात्र की माघ मेला मैदान में मिली लाश, रहस्य बरकरार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कस्बे के माघ मेला मैदान में बुधवार सुबह एक 24 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नरकटहा गांधीनगर वार्ड निवासी सत्यम (पुत्र राजेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, सत्यम प्रयागराज में रहकर कानून की पढ़ाई कर रहा था और एलएलबी प्रथम वर्ष का छात्र था। मंगलवार शाम वह घर से शादी समारोह में शामिल होने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात में वापस नहीं लौटा। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 10 बजे मां ने फोन कर घर आने को कहा तो उसने बताया कि अभी खाना नहीं खाया है और खाना खाकर लौटेगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। सुबह परिजन लगातार संपर्क करने

की कोशिश करते रहे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बुधवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे माघ मेला मैदान में लोगों ने एक युवक का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के मोबाइल पर आ रही कॉल के जरिए उसकी पहचान की और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार मौके पर पहुंच गया, जहां बेटे का शव देख परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस के अनुसार, शव पर किसी तरह के चोट या संघर्ष के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, जिससे मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। मृतक के पिता राजेश ने बताया कि सत्यम दो भाइयों में बड़ा था। उसने बीएससी करने के बाद प्रयागराज में रहकर एलएलबी की पढ़ाई शुरू की थी। छोटा भाई अविरल (13 वर्ष) कक्षा सात का छात्र है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नहर की पुलिया के नीचे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका से सनसनी, रहस्य बरकरार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के कोइलहरा गांव के पास नहर की पुलिया के नीचे पानी में बुधवार सुबह 34 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगदीशपुर राजा गांव के टोला लोधपुरवा निवासी जसवंत (पुत्र शिवकुमार) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जसवंत मंगलवार शाम घर से बाजार जाने की बात कहकर साइकिल से निकला था, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, मगर कोई पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह गांव आने वाले रास्ते पर कोइलहरा गांव के पास नहर की पुलिया के नीचे पानी में उसका शव मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके

पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि मृतक के सिर पर गहरे चोट के निशान थे, नाक से खून भी निकला था, जबकि उसकी साइकिल मौके से गायब थी। साथ ही सड़क पर खून के छींटे मिलने की भी बात कही जा रही है, जिससे घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। इस संबंध में शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार राय ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। घटना के बाद इलाके में दहशत और तरह–तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं, जबकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है।

तालाब में मिला दिव्यांग महिला का शव, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शाहपुर क्षेत्र के सेमरा बनकसिया गांव में बुधवार सुबह एक 32 वर्षीय दिव्यांग महिला का शव तालाब में उतराया मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान दुर्गावती (पत्नी राजेंद्र उर्फ मल्हू) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दुर्गावती मंगलवार शाम करीब 7 बजे खेत की ओर निकली थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह करीब 6 बजे गांव के पश्चिम स्थित तालाब में लोगों ने एक महिला का शव देखा, जिसकी पहचान बाद में दुर्गावती के रूप में की गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मृतका के पिता निरंजन की तहरीर पर पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच की जाएगी। बताया जा रहा है कि दुर्गावती शारीरिक रूप से दिव्यांग थी और उसे झटके (मिर्गी) आने की समस्या भी थी। उसकी शादी करीब 12 वर्ष पूर्व रमवापुर जगतराम गांव निवासी परिवार में हुई थी। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

स्पाइजेट की Flight Cancel होने पर Mumbai Airport पर हंगामा, यात्री बोले– कोई जवाब नहीं दे रहा

29 अप्रैल को मुंबई से **SpiceJet** की कई उड़ानें भारी कैंसलेशन और देरी का शिकार हुईं, जिससे सैकड़ों यात्री वहीं फंस गए और यह सोचने लगे कि अब उन्हें क्या करना चाहिए। एयरलाइन के अनुसार, मुंबई से दिल्ली, गोरखपुर और बेंगलुरु जाने वाली तीन **SpiceJet** उड़ानें ऑपरेशनल कारणों से रद्द कर दी गईं। एयरलाइन ने बताया कि इन कारणों में एक विमान का ग्राउंड होना और पिछले स्टेशन, बागडोगरा में खराब मौसम शामिल था। **SpiceJet** के प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई से **SpiceJet** की तीन उड़ानें – **SG** 631 (मुंबई–दिल्ली), **SG** 553 (मुंबई–गोरखपुर) और **SG** 669 (मुंबई–बेंगलुरु) – 29 अप्रैल को ऑपरेशनल कारणों से रद्द कर दी गईं।

दिल्ली में यमुना नदी पर अगले महीने से शुरू होगी ये शानदार क्रूज सर्विस जानिए कब और कैसे कर सकेंगे सफर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने नदी पुनरुद्धार और पर्यटन विकास कार्यक्रम के तहत अगले महीने यमुना नदी में क्रूज सेवा की शुरुआत कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एक सूत्र ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि मुंबई में निर्मित और जनवरी में दिल्ली लाए गए 40 सीट वाले इस क्रूज जहाज में व्यापक तरीके से आंतरिक

सज्जा का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि क्रूज जहाज अब पूरी तरह से सुसज्जित और उपकरणों से लैस है और परिचालन के लिए तैयार है। सूत्र ने बताया कि इस सेवा का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि क्रूज में यात्रियों के लिए संगीत, मनोरंजन और भोजन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। सूत्र ने बताया कि सरकार 15 दिनों के भीतर इस सेवा की शुरुआत करने की तारीख घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि यह क्रूज यमुना नदी पर चलेगा और शहर के भीतर एक अनूठा मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई एक घंटे की 'राउंड ट्रिप' की व्यवस्था रहेगी। यह परियोजना यमुना नदी को मनोरंजन और छुट्टियां मनाने के केंद्र में तब्दील करने के उद्देश्य से बनाई गई एक व्यापक नदी तट विकास योजना का हिस्सा है। सूत्र ने बताया कि सरकार क्रूज टर्मिनल पर जल क्रीड़ा और अन्य मनोरंजक गतिविधियों को शुरू करने की भी योजना बना रही है, जिससे नदी के किनारे को छुट्टियां मनाने के व्यापक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

शरीर रूपी रथ श्री कृष्ण के हाथों में सौंप देने पर मिलती है विजय-विद्याधर भारद्वाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शरीर रूपी रथ को जो श्रीकृष्ण के हाथों में सौंप देता है उसे विजय श्री मिलती है । सुदामा ने ईश्वर से निरपेक्ष प्रेम किया तो उन्होने सुदामा को अपना लिया और अपने जैसा वैभवशाली भी बना दिया।मनुष्य का शरीर ही वह कुरूक्षेत्र है जहां निवृत्ति और प्रवृत्ति का युद्ध होता रहता है। जीव जब ईश्वर से प्रेम करता है तो ईश्वर जीव को भी ईश्वर बना देते हैं। यह सद् विचार कथा व्यास विद्याधर भारद्वाज महराज ने सिविल लाइन्स में विनोद प्रकाश शुक्ल के आवास पर चल रहे श्रीमद् भागवत कथा में भगवान कृष्ण महिमा का भावुक वर्णन करते हुये का गान करते हुये व्यक्त किया।

सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुये कथा व्यास ने कहा कि पति यदि धन, सम्पत्ति, सुख सुविधा दे और पत्नी ऐसे पति की सेवा करे तो इसके आश्चर्य क्या है, धन्य हैं सुदामा की पत्नी सुशीला जिन्होने भूखे रहकर भी दरिद्र पति को भी परमेश्वर मानकर सेवा करती रही। भगवान कृष्ण ने जो सम्पत्ति कुबेर के पास भी नही है उसे सुदामा को दिया। सारा विश्व श्रीकृष्ण का वंदन करता है और वे एक दरिद्र ब्राम्हण और उनकी पत्नी सुदामा का वंदन करते हैं। सुदामा चरित्र वंदन करते हुये व्यक्ति दरिद्र। महात्मा जी ने महात्मा जी ने कहा कि शारीरिक मिलन तुच्छ है और मन का मिलन दिव्य। यदि धनी व्यक्ति दरिद्रों को हृदय से सम्मान दें तो आज भी सभी नगर द्वारिका की तरह समृद्ध हो सकते हैं। श्रीकृष्ण द्वारा उद्धव को उपदेश देने के प्रसंग का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि ज्ञानयोग, निष्काम कर्मयोग, भक्तियोग का ज्ञान देते हुये भगवान कृष्ण ने कहा कि उद्धव इस अखिल विश्व में मैं ही व्याप्त हूं, ऐसी भावना करना। सुख दुख तो मन की कल्पना है। जो सदगुणो से सम्पन्न है वह ईश्वर है और असंतुष्ट व्यक्ति दरिद्र। महात्मा जी ने कहा कि तक्षक जगत से पृथक नही है, वह भी ब्रम्ह रूप है। शुकदेव जी ने परीक्षित को ब्रम्ह का दर्शन कराकर निर्भय कर दिया। सतकर्म का कोई अंत नहीं। कथा सुनकर जीवन में उतारेंगे तो श्रवण सार्थक होगा। इं. अरविंद पाल, अरुणा सिंह पाल ने विधि विधान से कथा व्यास का पूजन किया। कहा कि कथा श्रवण से जीवन बदलता है। कथा श्रवण में भानु प्रताप शुक्ल, विनोद प्रकाश शुक्ल,नवीन शुक्ल, पुनीत शुक्ल, सत्य प्रकाश शुक्ल, विनय शुक्ल, अभिनव पाण्डेय, अभय दुबे, सी. पी. पाण्डेय, अरुण पाण्डेय सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बस्ती के स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन

5 से 7 मई तक शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में होंगे कार्यक्रम-राना दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को स्टेडियम परिसर में विधि विधान से वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। अयोध्या धाम के आचार्य धनंजय मिश्र, आचार्य विवेक तिवारी की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने पूजन अर्चन किया। मुख्य अतिथि गायत्री मंदिर बस्ती के पारिब्राजक पंडित राम प्रसाद त्रिपाठी ने समारोह के सफलता की कामना करते हुए कहा कि अपने जिले स्थापना दिवस मनाया जाना गौरव की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार शीघ्र ही बस्ती का नाम बदल कर वशिष्ठ नगर करेगी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि 05,06 और 07 मई संध्या का अदभुद संगम होगा। को शहीद सत्यवान सिंह उन्होंने जनपद वासियों से अपील

स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य वशिष्ठ महोत्सव आयोजित होगा। राना ने कहा कि महर्षि वशिष्ठ जी की पावन भूमि का स्वर्णिम इतिहास सनातन धर्म की गौरव गाथा है। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय खो खो, जनपदीय हैंडबॉल, वालीबाल, कबड्डी प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक रणजीत सिंह, कैलाश मोहन किया कि कार्यक्रम में सपरिवार पधार कर समारोह का हिस्सा बनें। समारोह में ओलंपिक संघ के जिला सचिव अजय श्रीवास्तव, राष्ट्रीय खिलाड़ी हिना खातून, विकास कुमार कोच, प्रभाकर ओझा, राम सिंह, मनोज सिंह, चंद्र मणि मिश्र, राजेश त्रिपाठी, श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश चौधरी, विजय सेन सिंह, अनिल श्रीवास्तव, विजय दूबे , विवेक सिंह, रणविजय गौतम, संजय पाण्डेय, विजय श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, अखिलेश गुप्ता, गौरी शंकर तिवारी, संजय कसौधन, धर्मेंद्र चौधरी, सुधीर सिंह, राजन उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर पर एक्सपायरी दवा बिक्री का आरोप, विरोध करने पर दी धमकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर पर एक्सपायरी दवा बेचने और विरोध करने पर धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने ड्रग इंस्पेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के गड़ाकुल निवासी इंद्रजीत यादव ने दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 29 अप्रैल 2026 को उनकी 7 माह की बच्ची को जीभ में छाले की समस्या थी। उपचार के लिए उनकी पत्नी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर से दवा खरीदी। आरोप है कि मेडिकल स्टोर संचालक ने विटोनिक्स ड्रॉप्स नामक दवा दी, जिसकी एक्सपायरी जनवरी 2026 बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, दवा पिलाने के तुरंत बाद बच्ची को उल्टी होने लगी। दवा की जांच करने पर उसके एक्सपायर होने की जानकारी हुई। जब इस संबंध में ज़ब मेडिकल स्टोर संचालक से गुरुवार को शिकायत की गई, तो उसने कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इंद्रजीत यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

खेसराहा क्षेत्र में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' आयोजित, महिलाओं ने जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसराहा/सिद्धार्थनगर। बांसी क्षेत्र के सुभाष नगर बेलबनवा में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पदयात्रा का नेतृत्व विधायक जय प्रताप सिंह के पुत्र अधिराज सिंह ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर नारेबाजी करते हुए अपनी आवाज बुलंद की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के विरोध को महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बताते हुए कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण का विरोध महिला सशक्तिकरण की राह में बाधा है। पदयात्रा के माध्यम से महिलाओं ने अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर सभासद प्रतिमा वर्मा, जिला मंत्री पूनम जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, जिला मंत्री बजरंगी वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जगजीवन गोंड, नगर अध्यक्ष कुबेर बारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी क्रम में तिलौली मंडल के तेलौरा बाजार में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां मंडल अध्यक्ष सुषमा मिश्रा की अध्यक्षता और जिला महामंत्री अनुपमा सिंह दुबे के संचालन में पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में डॉ. दशरथ चौधरी, विश्वनाथ पांडेय, अनुप शुक्ल, रामप्रकाश मिश्रा, ग्राम प्रधान बृजेश दुबे सहित लगभग 150 महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में महिलाओं ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता और संघर्ष का संकल्प दोहराया।

3 मई को घर में बेटी की शादी,दबंग पड़ोसी नहीं हटा रहे हैं दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। 3 मई को घर पर बेटी की शादी है और दबंग पड़ासी सुलहनामे के बावजूद दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा हटवाने को तैयार नहीं है। पैकोलिया थाना क्षेत्र के पिपराकाजी निवासिनी श्यामकली पत्नी राम सुरेश ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर बेटी की शादी से पहले घर के सामने से अवैध कब्जा हटवाने की मांग किया है। उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में श्यामकली ने कहा है कि उसके पड़ोसी बब्लू पुत्र राम धीरज के मकान निर्माण कार्य हो रहा था कोई असुविधा न हो मदद की मंशा से उसने अपने घर के सामने ईंट इत्यादि रखवा दिया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वह जगह खाली करने के लिए बार बार कहती रही पर वो लोग जमीन हड़पने की नियत से आना कानी करते रहे। थाना पैकोलिया में दोनो पक्षो के बीच गांव के सम्भ्रान्तगणो के सामने इस शर्त पर सुलह हुआ था कि 15 दिन के अन्दर उक्त जमीन खाली कर देगें । ऐसा न होने पर उसने उपजिलाधिकारी हर्रैया को प्रार्थना पत्र दिया। किन्तु विपक्षी पंचायत चुनाव नजदीक होने के कारण लोगो की सह पर जमीन खाली नही कर रहा है । मामले की सूचना मिलने पर आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी विशाल कुमार गौतम, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, हर्रैया विधानसभा के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार मौके पर पहुंचे। चेतावनी दिया कि यदि विवाह से पूर्व 2 मई तक दरवाजे के सामने से अवैध कब्जा न हटा तो वे थाने का घेराव करने को मजबूर होंगे।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- महादेवा, वि.ख.- बनकटी, जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना-2026-27

कार्यालय ग्राम पंचायत- **महादेवा**, विकास खण्ड- **बनकटी** जनपद- **बस्ती** द्वारा एस.एल.डब्लू.एम. (SLWM) फेज 2 योजना अन्तर्गत ग्राम निधि यथा पंचम छाठवां राज्यवित्त, पंद्रहवां/सोलहवां केंद्रीय वित्त से वित्त पोति योजना अंतर्गत आर०आर०सी० सेन्टर, सेग्रीगेशन सेन्टर, ठेला, कूड़ागाड़ी एवं अन्य कार्य, स्वच्छ भारत मिशन योजना अन्तर्गत, विकसित भारत-जी राम जी (मनरेगा) योजना अंतर्गत, अन्त्येठि स्थल विकास योजना अन्तर्गत, आर.जे.एस.ए. योजनान्तर्गत एवं ग्राम पंचायत में समय-समय पर लागू अन्य सभी परियोजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ा 2026-27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों/पूर्व स्वीकृत कार्यों को कराने हेतु प्रयुक्त होने वाली सभी प्रकार की सामग्रियों की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो आयकर एवं व्यापार कर में पंजीकृत हों, पी०डब्ल्यू०डी० के मानक विशिटियों सहित कार्य स्थल पर प्रथम श्रेणी ईंट, इण्टरलाकिंग ईंट, ईंट टुकड़ा, बालू, मोरंग, गिट्टी, सीमेण्ट, टाईल्स, सरिया, हूमपाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, पेन्ट, स्कूल बेंच, स्कूल फर्नीचर, सीमेंटेड बेंच, स्वच्छता/सफाईकर्मी किट, पिलर, तार, आयरन, फर्नीचर, प्लंबरिंग कार्य संबंधी सभी सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, वायरिंग सामग्री, सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड, ई- रिक्शा/ठेला, प्रशासनिक कार्यों हेतु सभी प्रकार की स्टेशनरी व गैजेट्स आदि एवं अन्य ग्राम पंचायत के कार्यों में प्रयुक्त सभी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 09.05.2026 को दिन में 10 बजे तक सामाग्री हेतु अपनी निविदा दर, वांछित प्रपत्र पर बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत के कार्यालय के निविदा बाक्स में डाल सकते है और दिनांक 13.05.2026 को दिन में 12 बजे ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधि कारी/कर्मचारियों के द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जायेंगी। धरोहर की राशि 5000. 00 (पांच हजार रूपये)/00.00 रूपये की होगी।

नियम व शर्ते 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा, उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर दाता हो, प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ा का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा। 4. सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करना होगा। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाएं वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं। 6. सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी। 7. सामाग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी०डब्ल्यू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत (शासन द्वारा निर्धारित) आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम पंचायत सदस्य, बी०डी०सी०, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे-सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नही की जाएंगी। 11. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नही किया जायेगा। 13. धरोहर राशि नकद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. और एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महादेवा** के नाम बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामाग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500.00 (पांच सौ रूपया)/निःशुल्क है पर ही स्वीकार किया जायेगा। 16. सीमेण्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित के पास डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेण्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 17. सामाग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध मोंर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 18. किसी भी वाद विवाद पर ग्राम पंचायत का निर्णय अन्तिम व सर्व मान्य होगा। ग्राम पंचायत के निर्णय के विपरीत किसी भी तरह का कोई वाद न्यायालय में नहीं लाया जायगा।

ओम प्रकाश
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-महादेवा
वि.ख. - बनकटी

अमित प्रकाश
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-महादेवा
वि.ख. - बनकटी

कार्यालय : ग्राम पंचायत- मोहनाखोर, वि.ख.- बनकटी, जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना-2026-27

कार्यालय ग्राम पंचायत- **मोहनाखोर**, विकास खण्ड- **बनकटी** जनपद- **बस्ती** द्वारा एस.एल.डब्लू.एम. (SLWM) फेज 2 योजना अन्तर्गत ग्राम निधि यथा पंचम छाठवां राज्यवित्त, पंद्रहवां/सोलहवां केंद्रीय वित्त से वित्त पोति योजना अंतर्गत आर०आर०सी० सेन्टर, सेग्रीगेशन सेन्टर, ठेला, कूड़ागाड़ी एवं अन्य कार्य, स्वच्छ भारत मिशन योजना अन्तर्गत, विकसित भारत-जी राम जी (मनरेगा) योजना अंतर्गत, अन्त्येठि स्थल विकास योजना अन्तर्गत, आर.जे.एस.ए. योजनान्तर्गत एवं ग्राम पंचायत में समय-समय पर लागू अन्य सभी परियोजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ा 2026-27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों/पूर्व स्वीकृत कार्यों को कराने हेतु प्रयुक्त होने वाली सभी प्रकार की सामग्रियों की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो आयकर एवं व्यापार कर में पंजीकृत हों, पी०डब्ल्यू०डी० के मानक विशिटियों सहित कार्य स्थल पर प्रथम श्रेणी ईंट, इण्टरलाकिंग ईंट, ईंट टुकड़ा, बालू, मोरंग, गिट्टी, सीमेण्ट, टाईल्स, सरिया, हूमपाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, पेन्ट, स्कूल बेंच, स्कूल फर्नीचर, सीमेंटेड बेंच, स्वच्छता/सफाईकर्मी किट, पिलर, तार, आयरन, फर्नीचर, प्लंबरिंग कार्य संबंधी सभी सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, वायरिंग सामग्री, सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड, ई- रिक्शा/ठेला, प्रशासनिक कार्यों हेतु सभी प्रकार की स्टेशनरी व गैजेट्स आदि एवं अन्य ग्राम पंचायत के कार्यों में प्रयुक्त सभी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 08.05.2026 को दिन में 10 बजे तक सामाग्री हेतु अपनी निविदा दर, वांछित प्रपत्र पर बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत के कार्यालय के निविदा बाक्स में डाल सकते है और दिनांक 12.05.2026 को दिन में 12 बजे ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधि कारी/कर्मचारियों के द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जायेंगी। धरोहर की राशि 5000. 00 (पांच हजार रूपये)/00.00 रूपये की होगी।

नियम व शर्ते 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा, उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर दाता हो, प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ा का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा। 4. सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करना होगा। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाएं वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं। 6. सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी। 7. सामाग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी०डब्ल्यू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत (शासन द्वारा निर्धारित) आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम पंचायत सदस्य, बी०डी०सी०, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे-सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नही की जाएंगी। 11. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नही किया जायेगा। 13. धरोहर राशि नकद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. और एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मोहनाखोर** के नाम बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामाग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500.00 (पांच सौ रूपया)/निःशुल्क है पर ही स्वीकार किया जायेगा। 16. सीमेण्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित के पास डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेण्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 17. सामाग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध मोंर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 18. किसी भी वाद विवाद पर ग्राम पंचायत का निर्णय अन्तिम व सर्व मान्य होगा। ग्राम पंचायत के निर्णय के विपरीत किसी भी तरह का कोई वाद न्यायालय में नहीं लाया जायगा।

लक्ष्मी देवी
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-मोहनाखोर
वि.ख. - बनकटी

अमित प्रकाश
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-मोहनाखोर
वि.ख. - बनकटी

कार्यालय : ग्राम पंचायत- खडौहा, वि.ख.- बनकटी, जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना-2026-27

कार्यालय ग्राम पंचायत- **खडौहा**, विकास खण्ड- **बनकटी** जनपद- **बस्ती** द्वारा एस.एल.डब्लू.एम. (SLWM) फेज 2 योजना अन्तर्गत ग्राम निधि यथा पंचम छाठवां राज्यवित्त, पंद्रहवां/सोलहवां केंद्रीय वित्त से वित्त पोति योजना अंतर्गत आर०आर०सी० सेन्टर, सेग्रीगेशन सेन्टर, ठेला, कूड़ागाड़ी एवं अन्य कार्य, स्वच्छ भारत मिशन योजना अन्तर्गत, विकसित भारत-जी राम जी (मनरेगा) योजना अंतर्गत, अन्त्येठि स्थल विकास योजना अन्तर्गत, आर.जे.एस.ए. योजनान्तर्गत एवं ग्राम पंचायत में समय-समय पर लागू अन्य सभी परियोजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ा 2026-27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों/पूर्व स्वीकृत कार्यों को कराने हेतु प्रयुक्त होने वाली सभी प्रकार की सामग्रियों की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो आयकर एवं व्यापार कर में पंजीकृत हों, पी०डब्ल्यू०डी० के मानक विशिटियों सहित कार्य स्थल पर प्रथम श्रेणी ईंट, इण्टरलाकिंग ईंट, ईंट टुकड़ा, बालू, मोरंग, गिट्टी, सीमेण्ट, टाईल्स, सरिया, हूमपाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, पेन्ट, स्कूल बेंच, स्कूल फर्नीचर, सीमेंटेड बेंच, स्वच्छता/सफाईकर्मी किट, पिलर, तार, आयरन, फर्नीचर, प्लंबरिंग कार्य संबंधी सभी सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, वायरिंग सामग्री, सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड, ई- रिक्शा/ठेला, प्रशासनिक कार्यों हेतु सभी प्रकार की स्टेशनरी व गैजेट्स आदि एवं अन्य ग्राम पंचायत के कार्यों में प्रयुक्त सभी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 12.05.2026 को दिन में 10 बजे तक सामाग्री हेतु अपनी निविदा दर, वांछित प्रपत्र पर बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत के कार्यालय के निविदा बाक्स में डाल सकते है और दिनांक 15.05.2026 को दिन में 12 बजे ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधि कारी/कर्मचारियों के द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जायेंगी। धरोहर की राशि 5000. 00 (पांच हजार रूपये)/00.00 रूपये की होगी।

नियम व शर्ते 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा, उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर दाता हो, प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ा का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा। 4. सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करना होगा। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाएं वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं। 6. सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी। 7. सामाग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी०डब्ल्यू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत (शासन द्वारा निर्धारित) आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम पंचायत सदस्य, बी०डी०सी०, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे-सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नही की जाएंगी। 11. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नही किया जायेगा। 13. धरोहर राशि नकद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. और एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **खडौहा** के नाम बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामाग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500.00 (पांच सौ रूपया)/निःशुल्क है पर ही स्वीकार किया जायेगा। 16. सीमेण्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित के पास डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेण्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 17. सामाग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध मोंर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 18. किसी भी वाद विवाद पर ग्राम पंचायत का निर्णय अन्तिम व सर्व मान्य होगा। ग्राम पंचायत के निर्णय के विपरीत किसी भी तरह का कोई वाद न्यायालय में नहीं लाया जायगा।

दुलारमती देवी
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-खडौहा
वि.ख. - बनकटी

अमित प्रकाश
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-खडौहा
वि.ख. - बनकटी

वरासत वाद में रिश्वत का आरोप, नायब तहसीलदार पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील बांसी के खेसरहा में तैनात नायब तहसीलदार पर वरासत वाद के निस्तारण के नाम पर रिश्वत लेने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम टीकुर निवासी ओम प्रकाश चौधरी ने आरोप लगाया कि उनके वाद संख्या 202217630202990 (ओम प्रकाश बनाम मुदुल उर्फ मुछुल), जो गाटा संख्या 421/0.371 हे० भूमि से संबंधित है, के निस्तारण के लिए कथित निजी मुंशी जमाल के माध्यम से उनसे कुल 30 हजार रुपये वसूले गए, लेकिन इसके बावजूद आज तक मामले का निस्तारण नहीं किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने पहले 12 हजार रुपये दिए और बाद में वर्ष 2026 में होली के समय पुनः संपर्क करने पर 25 हजार रुपये की मांग की गई, जिस पर उन्होंने अपनी पत्नी के कान की बाली और गेहूं बेचकर 18 हजार रुपये की व्यवस्था कर मुंशी को सौंपे। इसके बावजूद कथित मुंशी द्वारा अतिरिक्त 15 हजार रुपये की मांग की गई, जिससे परेशान होकर उन्होंने प्रशासन से शिकायत की। मामले की जांच उपजिलाधिकारी इटवा, श्री कुणाल को सौंपी गई, जिन्होंने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर साक्ष्यों का परीक्षण किया। जांच में यह पाया गया कि शिकायतकर्ता द्वारा 18 हजार रुपये की व्यवस्था जेवर और अनाज बेचकर करने की बात साक्ष्यों से मेल खाती है, साथ ही कॉल लॉग से शिकायतकर्ता और मुंशी के बीच लगातार संपर्क की पुष्टि हुई। यह भी सामने आया कि संबंधित अधिवक्ता इस वाद में किसी भी पक्ष के वकील नहीं हैं, जिससे मुंशी की भूमिका संदिग्ध प्रतीत हुई। वहीं वर्ष 2022 से लंबित वाद के निस्तारण में देरी का कोई ठोस कारण भी नहीं पाया गया। दूसरी ओर नायब तहसीलदार माधुर्य यादव ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने किसी प्रकार की धनराशि नहीं ली है और कथित मुंशी केवल न्यायालय में तारीख आदि के सिलसिले में आता–जाता है। उन्होंने देरी का कारण वादी की अनुपस्थिति व अधिवक्ता संघ के शोक प्रस्ताव को बताया। उपजिलाधिकारी इटवा की जांच रिपोर्ट में पूरे प्रकरण में नायब तहसीलदार माधुर्य यादव एवं कथित मुंशी की कार्यशैली प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाई गई है, जिसके आधार पर नायब तहसीलदार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने की संस्तुति की गई है। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर, श्री शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि जांच आख्या शासन को प्रेषित कर दी गई है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नीट यूजी–2026 परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, 3 मई को 8 केंद्रों पर 2760 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली नीट यूजी–2026 परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा से जुड़ी सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप सुदृढ़ कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा को हर हाल में नकलविहीन और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। साथ ही सीसीटीवी कैमरे और जैमर पूरी तरह से कार्यशील स्थिति में हों। यदि किसी केंद्र पर कोई उपकरण खराब पाया जाता है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाए। इसके अलावा प्रत्येक केंद्र पर व्हीलचेयर और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि दिव्यांग एवं आकस्मिक परिस्थितियों में अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की समस्या न हो। जनपद में इस वर्ष कुल 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2760 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रमुख परीक्षा केंद्रों में राजकीय इंटर कॉलेज, तेतरी बाजार, रतनसेन डिग्री कॉलेज, बांसी, रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी, शिवपति इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज, शोहरतगढ़; सिहेंश्वरी इंटर कॉलेज, नौगढ़ तथा ,तिलक इंटर कॉलेज, बांसी शामिल हैं। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार सहित सभी केंद्र व्यवस्थापक और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा की जा रही सख्त तैयारियों से यह स्पष्ट है कि परीक्षा को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कोई भी कोताही नहीं बरती जाएगी।

निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज व छात्रावास का डीएम ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता व समयबद्ध कार्य के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नौगढ़ स्थित निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं छात्रावास का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर भवन की संरचना, सुविधाओं और कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन किया। सहायक अभियंता सीएनडीएस द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि प्रस्तावित छात्रावास की क्षमता 140 छात्रों की है तथा परिसर में 4 लेक्चर हॉल का भी निर्माण किया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए टेक्निकल टीम गठित कर विस्तृत जांच कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में छात्रों को बेहतर शैक्षिक व आवासीय सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तौलिहवा में माता रानी का 15वां स्थापना पूजन के साथ हुआ भव्य भंडारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नेपाल राष्ट के जिला कपिलवस्तु के तौलिहवा आनंद बाग में स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर परिसर में स्थापित मंदिर में माता रानी के 15वें पूजन एवं भव्य भंडारे का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्याम रुंगटा व गोपी रुंगटा ने नौ कन्याओं को भोजन कराया और नन्हें मुन्ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए बैग देकर सम्मानित किया। इस भव्य भंडारे पर नेपाल के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें पूर्व डिप्टी चेयरमैन गोपी रुंगटा, श्याम रुंगटा, मधुसूदन, संतोष पांडे, राजकुमार कांदु, पूजा गुप्ता, भीमचंद कसौधन, राकेश राज, रामानंद पाण्डेय, लाल बहादुर चौधरी, विजय मिश्रा, नन्हे भाई, शारदा देवी सुल्तानिया, आशा अग्रवाल, श्याम रुंगटा, सोनू सिंह, नंदकिशोर पासवान, कृष्ण देव पंडित,जितेंद्र वर्मा सहित तौलिहवा नगर पालिका वासी मौजूद रहे। इस अवसर पर रुंगटा परिवार की विशेष सहभागिता रही।कार्यक्रम में भक्तों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

डीएम का गेहूं क्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण, पारदर्शी खरीद व किसानों की सुविधाओं पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नगर पंचायत उसका बाजार स्थित राजकीय गेहूं क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर किसानों के पंजीकरण, तौल व्यवस्था, भुगतान प्रक्रिया तथा अभिलेखों के संधारण की गहनता से जांच की। जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गेहूं खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से किसानों से संपर्क बढ़ाकर खरीद में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान डीएम ने केंद्र पर साफ–सफाई, पेयजल, छाया एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने ई–तौल मशीनों के सही उपयोग और तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को गेहूं के सुरक्षित भंडारण और समय पर उठान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में सनसनी : बेटी के अपहरण के बाद हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपनी विवाहित बेटी के अपहरण और हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दी है। साथ ही आरोपियों द्वारा समझौते का दबाव बनाने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और मारपीट करने की भी बात कही गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भटपुरवा, थाना मिश्रौलिया निवासी मतई पुत्र रामरतन ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी विवाहित पुत्री संजना 17 अप्रैल 2026 को शाम करीब 6रू30 बजे अचानक घर से गायब हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। थक–हारकर परिजनों ने 17 अप्रैल 2026 को मिश्रौलिया थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। आरोप है कि 26 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 10 बजे ग्राम डकही, थाना कोल्हुई, जनपद महाराजगंज निवासी सनी गुप्ता उनके घर आया और कातिथरूप से दावा किया कि संजना का अपहरण कर 21 अप्रैल को उसकी हत्या कर दी गई है। इतना ही नहीं, उसने मामले को दबाने के लिए पैसे लेकर समझौता करने का दबाव भी बनाया और खुद को प्रभावशाली व राजनीतिक पहुंच वाला बताया। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली–गलौज की और लात–घूंसे से मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोप है कि आरोपी जाते–जाते गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देकर चला गया। पीड़ित पिता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में थाना मिश्रौलिया पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

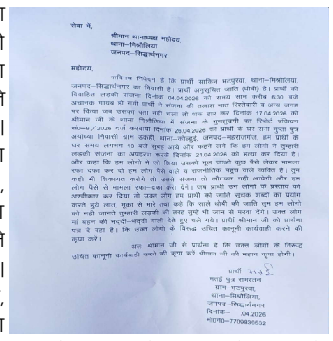

अंतरी में नाइट क्रिकेट सेमीफाइनल का हुआ उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार को शोहरतगढ़ ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत अंतरी में नाइट क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले का विधिवत उद्घाटन किया गया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया, जबकि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व खेल प्रेमियों की उपस्थिति से खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पंचायत सदस्य उमेश प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे आगे चलकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेल को अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का प्रतीक बताया तथा युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। सेमीफाइनल मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि अबरार अहमद, विनय प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ में धड़ल्ले से चल रहे प्राइवेट अस्पताल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित प्राइवेट अस्पतालों को लेकर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। नियमों की अनदेखी कर मरीजों का इलाज किए जाने और अधिकारियों की निष्क्रियता ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आ रही है। आरोप है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ के आसपास बड़ी संख्या में प्राइवेट अस्पताल बिना निर्धारित मानकों के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार कई तथाकथित अस्पताल नियमों की अनदेखी करते हुए मरीजों का इलाज कर रहे हैं। साथ ही यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि इन अस्पतालों के संचालन के बदले मोटी रकम ली जाती है, जिसके चलते इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। मामले में सबसे गंभीर आरोप यह है कि शोहरतगढ़ सीएचसी के अधीक्षक इस पूरे प्रकरण में मूकदर्शक बने हुए हैं। वहीं सिद्धार्थनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा भी क्षेत्र के प्राइवेट अस्पतालों का औचक निरीक्षण नहीं किए जाने की बात सामने आ रही है। इन आरोपों ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जांच होने पर बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध रूप से संचालित अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बाइक और टाटा सफारी की भिड़ंत में युवक गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। बांसी–बस्ती मुख्य मार्ग पर थाना शिवनगर डिडई क्षेत्र के असनार चौराहे के पास गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक और टाटा सफारी की आमने–सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक उछलकर सड़क पर जा गिरा और बुरी तरह जख्मी हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना शिवनगर डिडई की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल युवक की पहचान मनोज पुत्र गोपाल निवासी बुढ़ापार के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में निजी साधन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलौली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लावारिस ई–रिक्शा से शोहरतगढ़ में लगा जाम, पुलिस ने संभाला मोर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ कस्बे में अव्यवस्थित यातायात एक बार फिर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया। बुधवार शाम प्रेम गली मोड़ के पास एक ई–रिक्शा लावारिस हालत मेंखड़ा मिला, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कथित रूप से बांसी निवासी एक अज्ञात चालक ई–रिक्शा छोड़कर कहीं चला गया। कुछ ही देर में रिक्शा धीरे–धीरे सरककर सड़क के बीच आ गया, जिससे आवागमन बाधित हो गया और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में जाम की समस्या अब आम होती जा रही है, जिसकी प्रमुख वजह बेतरतीब तरीके से खड़े किए जाने वाले ई–रिक्शा हैं। सूचना मिलने पर शोहरतगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और ई–रिक्शा को कब्जे में लेकर यातायात को बहाल कराया। पुलिस द्वारा अब वाहन चालक की तलाश की जा रही है, ताकि लावारिस अवस्था में वाहन छोड़े जाने के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में टॉप-10 मेधावियों का सम्मान, खुशी चौधरी ने लहराया परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, शोहरतगढ़ में बुधवार को हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप–10 मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी राममिलन त्रिपाठी उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता नगर संघ चालक राजेश आर्य ने की। विद्यालय के नव–नियुक्त प्रधानाचार्य शक्ति सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में मेधावियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। हाईस्कूल वर्ग में खुशी चौधरी ने 600 में 562 अंक (तिरानवे दशमलव छियासठ प्रतिशत) प्राप्त कर जिले में सातवां स्थान हासिल किया और विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय स्तर पर टॉप–10 में शामिल अन्य छात्रों में वैभव गुप्ता, अनन्या शर्मा, अभय कुमार, अभिषेक मौर्या, विवेक चौधरी, यशस्वी, प्रिया कांदू, अनूप यादव एवं आलोक गुप्ता शामिल रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट (कक्षा 12) वर्ग में उमा पाठक, आकांक्षा पटेल, शिव कुमार विश्वकर्मा, श्रद्धा त्रिपाठी, आन्या चौहान, अनुपम चौधरी, शिवानी चौधरी, सुभाष शर्मा, प्रज्ञा पांडेय, रागिनी यादव एवं हर्षित श्रीवास्तव को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्यगण अरुणेश मणि त्रिपाठी, महेश्वर दत्त शुक्ला, आकाश श्रीवास्तव, उमेश शुक्ला, धनंजय चौधरी, कविता, सीमा, मधु, रंजग सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे, जिन्होंने मेधावियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

सम्पादकीय

निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती...

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति–नियंताओं और शासन–प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा–निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो–करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे–अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

सदियों में बना इंसान, दरिंदा पल–भर में

इंसान ने आग, पहिया, मोबाइल, मोटर, मशीन से लेकर इंटरनेट तक का सफर तय कर लिया है पर लगता है कि यह विकास बाहर हुआ है। मन के जंगल में भेड़िया अभी छिपा बैठा है। इसने नाखून भले काटे हों पर इरादे अब भी लहूलुहान करने वाले हैं। पुराने ग्रंथों में नरभक्षियों का उल्लेख पढ़कर हम सिहर उठते थे। दिमाग में घने जंगल, अंधेरी गुफाएं, डरावनी कथाएं उभर आती थीं। पर क्या फर्क है उन कथाओं और आज की खबरों में। तब वे जंगलों में रहते थे, आज वे चेहरे बदल कर समाज के बीचों–बीच रहते हैं और स्वयं को शासक कहलाते हैं किंतु इन चमकदार चेहरों के पीछे की क्रूरता आज किसी से छिपी नहीं है। इंसान ने आग, पहिया, मोबाइल, मोटर, मशीन से लेकर इंटरनेट तक का सफर तय कर लिया है पर लगता है कि यह विकास बाहर हुआ है। मन के जंगल में भेड़िया अभी छिपा बैठा है। इसने नाखून भले काटे हों पर इरादे अब भी लहूलुहान करने वाले हैं। सूट–बूट पहने ये भेड़िये शराब के नशे में, हाथ में फोक–नाइफ, प्लेट में गोश्त, दिमाग में मिसाइल दागने की प्लैनिंग। इनकी भूख वही है किसी और की जिंदगी को नोचने की। नतीजा सामने है कि हम तकनीक में आगे बढ़े हैं पर संवेदनाओं में बहुत पीछे रह गये हैं। इंसान बनने में सदियां लगती हैं और दरिंदा बनने में बस एक पल। अचानक ठांय की आवाज गूंजती है और उसी पल कहीं एक घर से हंसी उठकर हमेशा के लिए खामोश हो जाती है। सवाल गोली से नहीं, उस उंगली से है जो ट्रिगर दबाते वक्त एक पल नहीं कांपती। यह कैसा विकास है जहां हाथ में हथियार आ जाए तो इंसान खुद को ताकतवर समझने लगता है। इसे सभ्यता नहीं सरेआम बर्बरता कहते हैं। अपनी जान हर किसी को प्यारी होती है। और अगर वही जान किसी और की जान बन जाए तो उसकी कीमत और बढ़ जाती है। यह कैसी विडंबना है कि इंसान को अपनी धड़कन सबसे अजीज है पर दूसरों की जान लेने पर आमादा है। सच तो यह है कि जब गोली चलती है तो सिर्फ एक शरीर नहीं गिरता, एक पूरा घर उजड़ता है। दीवारें रोती हैं, चूल्हे ठंडे हो जाते हैं और किसी मां की आंखों में उम्रभर का सन्नाटा बस जाता है। विडंबना देखो जो दूसरों की जान लेने निकला था, गोली की आवाज से उसके पैर कांपने लगते हैं। जान बचाने के लिए वह ठिकाना ढूंढ़ता है। किसी का घर जलाकर कोई अपना आशियाना नहीं बसा सकता। आहों की आग देर से सही पर हर पत्थर को पिघला जाती है। सवाल वहीं का वहीं है कि क्या सच में हम विकसित हो गए हैं या सिर्फ औजार बदल गए हैं और दरिंदगी ने नया रूप पहन लिया है?

घर-बाहर के दबाव में तनाव झेलती महिलाएं

डॉक्टरों के कथनानुसार, दीर्घकालीन तनाव के प्रति बरती गई कोताही भविष्य में असाध्य रोग बन सकती है। भीतर ही भीतर घुटने की अपेक्षा क्यों न परिजनों को शिष्टतापूर्वक अपनी मनोस्थिति से अवगत करवाया जाए ताकि समय रहते समुचित समाधान मिल सके ? इसके लिए समाज, परिवार तथा सरकार को मिलकर एक ऐसा माहौल सृजित करना होगा, जहां महिलाएं निःसंकोच अपनी समस्याएं साझा कर सकें...

शोध के मुताबिक, 72.2 प्रतिशत कामकाजी महिलाएं उच्च तनाव में हैं, जो पुरुषों (53.64 प्रतिशत) से काफी अधिक है। 90 प्रतिशत महिलाएं यद्यपि मानती हैं कि स्वास्थ्य मुद्दे उनकी उत्पादकता को प्रभावित करते हैं, तथापि भारतीय समाज की रूढ़िवादी सोच के कारण वे मदद मांगने से झिझकती हैं। 'मल्टीटॉस्किंग' एक नैसर्गिक गुण है, महिलाएं जिसमें विशेष रूप से माहिर मानी गई हैं। यूं भी अधिकतर भारतीय परिवारों में घरेलू कार्य स्त्रियों के ही हवाले रहते हैं, भले ही वह अतिरिक्त भार उठाने में सक्षम हो अथवा न। परंपरागत समाज के लिए यह आम बात हो सकती है किंतु परिवर्तित परिदृश्य में दोहरे दायित्व का निर्वहन कहीं न कहीं नारी–स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। हेल्थ स्टार्टअप त्राया द्वारा भारत के 15 राज्यों की 5,35,373 महिलाओं पर किया नवीनतम सर्वेक्षण देश में लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं के प्रतिदिन क्रॉनिक स्ट्रेस झेलने का खुलासा करता है। पश्चिम बंगाल में 52.2 प्रतिशत महिलाएं तनाव की शिकार हैं, तमिलनाडु एवं दिल्ली में यह आंकड़ा क्रमशः 50.5 तथा 47.8 प्रतिशत है। सर्वाधिक चिंताजनक है, तनाव की कोई आकस्मिक घटना न होकर निरंतर चलने वाली समस्या बनना, जो कि नींद से लेकर महिलाओं के हार्मोनल स्वास्थ्य तक को चपेट में ले रही है। सर्वे के निष्कर्ष बताते हैं कि कार्य तथा व्यक्तिगत जीवन में असंतुलन, कार्यस्थल पर होने वाला भेदभाव, आर्थिक दबाव तथा सामाजिक अपेक्षाओं के फलस्वरूप उपजते तनाव से महिलाओं की मूलभूत आवश्यकताएं बहुतेरे प्रभावित हो रही हैं। लगभग 5 में से

2 महिलाएं पर्याप्त निद्रा नहीं ले पा रहीं, वहीं हर 2 में से 1 महिला पेट तथा पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, असल में ये सभी दिक्कतें अलग–अलग न होकर परस्पर जुड़ी हुई हैं। कुल मिलाकर यह उसी तनाव के परिणाम हैं, जिसे महिलाएं नित्यप्रति ढो रही हैं। विशेषज्ञों की मानें तो, पारिवारिक–सामाजिक भूमिका के तहत महिलाओं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखने वाली पारंपरिक सोच तथा आधुनिक जीवनशैली के आपसी द्वंद्व ने समस्या और गहरा दी है। शोध के मुताबिक, 72.2 प्रतिशत कामकाजी महिलाएं उच्च तनाव में हैं, जो पुरुषों (53.64 प्रतिशत) से काफी अधिक है। 90 प्रतिशत महिलाएं यद्यपि मानती हैं कि स्वास्थ्य मुद्दे उनकी उत्पादकता को प्रभावित करते हैं, तथापि भारतीय समाज की रूढ़िवादी सोच के कारण वे मदद मांगने से झिझकती हैं। इसका एक बड़ा कारण आज भी व्यापक स्तर पर व्याप्त लिंगभेद है। सर्वे यह भी बताता है कि महिलाओं से लगातार ज्यादा काम की उम्मीद पालने वाली संकीर्ण सोच में यह कम ही पूछा जाता है कि क्या उनके पास इसे निभाने के लिए जरूरी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा बची भी है या नहीं? घर–कार्यस्थल में सामंजस्य बिठाने का प्रयास एवं प्रत्येक कार्यक्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन की चाह तनाव के रूप में उभरकर उदासी, अवसाद, चिड़चिड़ेपन आदि अनेकानेक व्याधियों की उत्पत्ति का निमित्त बन रही है। दुर्भाग्य से आज भी भारतीय समाज में मानसिक रोगों को गंभीरतापूर्वक नहीं लिया जाता। महिलाओं के संदर्भ में तो स्थिति विशेषकर निराशाजनक है। उनके स्वास्थ्य के प्रति पारिवारिक दायित्व अथवा सामाजिक जागरूकता के बारे तथ्य खंगालें तो सर्वे के मुताबिक, अधिकांश मामलों में महिलाओं की भावनाओं एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिस कारण तनाव, चिंता गहरे अवसाद में परिणत होने लगते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी जटिल है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, साक्षरता का अभाव, निर्धनता तथा अंधविश्वासी प्रवृत्ति के चलते मानसिक रोगों को भूत–प्रेत की छाया अथवा जादूटोने का प्रभाव मान लिया जाता है। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टरी मदद लेने की बजाय ओझा, तांत्रिक या झाड़–फूंक करने वालों को तरजीह दी जाती है, जो महिलाओं की हालत को और बिगाड़ देते हैं। कई मामलों में मौत तक हो जाती है। अपनी सेहत की अनदेखी करने में महिलाएं भी कम दोषी नहीं। आमतौर पर स्त्रीवर्ग अपना ध्यान रखने अथवा क्षमता के अनुरूप कार्य करने की बजाय दूसरों की जरूरतों को अधिक अधिमान देता है। सबका खय्याल रखना निस्संदेह, एक सराहनीय गुण है, किंतु कर्तव्य–पालन के अतिरेक में यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि 'सबका' शब्द में महिलाएं खुद्द भी शामिल हैं। तनाव ढोती महिलाओं की चुप्पी कालांतर में स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। इससे पूर्व कि तनाव जीवन को अस्त–व्यस्त कर डाले, काउंसलिंग करना अनिवार्य हो जाता है। असल में, नर–नारी, परिवार तथा समाज रूपी गाड़ी चलाने वाले दो पहिए हैं। किसी भी पहिए पर क्षमता से अधिक बोझ लादना उसे क्षतिग्रस्त बना छोड़ेगा। देश की आधी आबादी का स्थाई तौर पर तनाव से जूझना मात्र स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा न होकर समग्र रूप में एक बहुआयामी सामाजिक समस्या है।

कोशिका स्तर पर जैविक उम्र बढ़ाती गर्मी

वर्ष 1950 और 1970 के दशक के बीच, युवा हर साल लगभग 25 घंटे इस तरह के समय का अनुभव करते थे। आज यह संख्या बढ़कर सालाना लगभग 50 घंटे हो गई है। बुजुर्गों के लिए यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा है। पहले, 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को हर साल लगभग 600 घंटे ऐसे समय का अनुभव होता था जब गर्मी की वजह से सामान्य गतिविधि सीमित हो जाती थी। अब यह संख्या बढ़कर हर साल ...

एक नया अध्ययन बताता है कि बहुत ज्यादा गर्मी कोशिका स्तर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी ला सकती है। यह हमें अच्छी तरह से ज्ञात है कि बहुत अधिक तापमान शरीर पर दबाव डाल सकता है। लेकिन अब इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से आयु–वृद्धि की प्रक्रिया तेज हो सकती है।

तेजी से गर्म होती दुनिया में गर्मी का मौसम अब ज्यादा सताने लगा है। गर्मी पहले से कहीं ज्यादा लंबी और जानलेवा हो गई है। बहुत ज्यादा गर्मी के स्पष्ट प्रभाव डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और थकावट के रूप में दिखाई देते हैं लेकिन वैज्ञानिकों का दावा है कि तेज गर्मी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया एक नया अध्ययन बताता है कि बहुत ज्यादा गर्मी कोशिका स्तर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी ला सकती है। यह हमें अच्छी तरह से ज्ञात है कि बहुत अधिक तापमान शरीर पर दबाव डाल सकता है। लेकिन अब इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से आयु–वृद्धि की प्रक्रिया तेज हो सकती है।

किसी व्यक्ति की तारीख के अनुसार गिनी जाने वाली उम्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी जैविक उम्र होती है। यही स्वास्थ्य का असली पैमाना है। जैविक उम्र यह दिखाती है कि हमारी कोशिकाएं, ऊतक और अंग कितनी अच्छी तरह काम करते हैं। जब जैविक उम्र तिथि आधारित उम्र से ज्यादा होती है, तो बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन की वरिष्ठ लेखक जेनिफर एलशायर का कहना है कि गर्म इलाकों में रहने वाले लोगों में ठंडे इलाकों के लोगों की तुलना में जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया ज्यादा तेज होती है।

गर्मी और उम्र बढ़ने के बीच संबंध की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 56 साल और उससे अधिक उम्र के 3,600 से ज्यादा लोगों के डेटा की जांच की, जो स्वास्थ्य और सेवानिवृत्ति से संबंधित अध्ययन में शामिल थे। वैज्ञानिकों ने छह साल की अवधि में रक्त के नमूने लिए और जीन संबंधी बदलावों का पता लगाने के लिए उनका विश्लेषण किया। ये ऐसे रासायनिक परिवर्तन हैं जो जीन के काम करने के तरीके पर असर डालते हैं। इस क्षेत्र में एक बड़ी प्रक्रिया 'डीएनए मिथाइलेशन' है, जिसमें एक रसायन डीएनए में जुड़ता है। यह प्रक्रिया आनुवंशिक कोड में बदलाव किए बिना जीन को चालू या बंद कर सकती है।

शोधकर्ताओं ने इन आणविक परिवर्तनों पर नजर रखने के लिए एक जैव–रासायनिक टूल (एपिजेनेटिक घड़ी) का इस्तेमाल किया। यह टूल मिथाइलेशन पैटर्न का पता लगाकर जैविक उम्र का अनुमान लगाता है। शोधकर्ताओं ने 2010 से 2016 तक के पुराने गर्मी सूचकांक डेटा के साथ जैविक उम्र बढ़ने की दरों की तुलना की, जिससे गर्मी और आयु–वृद्धि के बीच एक मजबूत संबंध का पता चला।

तापमान और आर्द्रता के मिश्रण से यह तय होता है कि गर्मी कितनी ज्यादा है। बहुत ज्यादा गर्मी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। सतर्कता स्तर 27 सेल्सियस 32 सेल्सियस तक होता है। बहुत ज्यादा सावधानी वाली श्रेणी 32 सेल्सियस से 40 सेल्सियस तक होती है। सबसे खतरनाक स्तर 40 सेल्सियस से शुरू होता है और 51 सेल्सियस तक जाता है।

इस अध्ययन में यह देखा गया कि हर स्तर की गर्मी के बार–बार संपर्क में आने से जैविक उम्र पर कितना असर पड़ता है। बहुत ज्यादा गर्मी के ज्यादा दिनों का मतलब था कोशिका स्तर पर तेजी से उम्र बढ़ना। कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक भीषण तापमान बना रहता है, और इसका वहां के निवासियों की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव चौंकाने वाला होता है। बहुत ज्यादा गर्मी अब लोगों को रोजाना के आसान काम भी नहीं करने दे रही है। तेज गर्मी में चलना, सफाई करना या बाहर काम करना मुश्किल होता जा रहा है।

वैज्ञानिकों ने एक अन्य अध्ययन में पाया कि 1950 के दशक से, हर साल उन घंटों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जब गर्मी सामान्य गतिविधियों के लिए खतरनाक हो जाती है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और कई दूसरे संगठनों के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया कि तापमान और आर्द्रता का इंसान के शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है। नतीजों से पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी दैनिक जीवन के लिए, खासकर बुजुर्गों के लिए एक चुनौती बनती जा रही है।

अध्ययन की सह–लेखक जेनिफर वैनोस ने कहा कि गर्मी के बारे में ज्यादातर अध्ययन इस बात पर फोकस करते हैं कि गर्मी कितनी लगती है। नया अध्ययन एक अलग सवाल पूछता है कि इंसान का शरीर उस गर्मी में सुरक्षित रूप से क्या कर सकता है। सिर्फ तापमान मापने के बजाय अध्ययन में यह देखा गया कि गर्मी और आर्द्रता शरीर की खुद को ठंडा करने की क्षमता पर कैसे असर डालती हैं। शरीर आमतौर पर पसीना निकलने से ठंडा होता है। लेकिन ज्यादा नमी इस प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे त्वचा से गर्मी को बाहर निकलने में मुश्किल होती है।

शोधकर्ताओं ने एक खास मॉडल का इस्तेमाल करके यह अंदाजा लगाया कि कोई इंसान अलग–अलग मौसम में कितनी गतिविधि सुरक्षित रूप से कर सकता है। यह मॉडल स्टडी करता है कि शरीर वातावरण मिलने वाली से गर्मी और शारीरिक गतिविधि के दौरान पैदा होने वाली गर्मी के बीच कैसे संतुलन बनाता है। अगर शरीर तेजी से गर्मी नहीं निकाल पाता तो शरीर का अंदरूनी तापमान बढ़ जाता है और इससे हीटस्ट्रोक हो सकता है। हल्की गर्मी में हल्के काम शरीर को ज्यादा गर्म किए बगैर सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं लेकिन जब गर्मी बहुत ज्यादा हो जाती है तो यह एक्टिविटी असुरक्षित हो जाती है।

इंसान है, थोड़ा रहम करो.., जसप्रीत बुमराह के खराब प्रदर्शन पर किरोन पोलार्ड का बयान

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक है। टीम लगातार हार झेल रही है और एक जीत के लिए तरस रही है। वहीं टीम और देश के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। जिसके बाद बुमराह की आलोचना हो रही है। वहीं एमआई के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने खराब फॉर्म से जूझ रहे जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि, जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी–कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सीजन अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की है। बता दें कि, बुमराह ने आईपीएल के इतिहास में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। दरअसल, बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बुमराह ने 54 रन लुटाए। इस मैच में उन्हें कोई विकेट भी नसीब नहीं हुआ। हैदराबाद ने ये मैच 6 विकेट से जीता। मुंबई इंडियंस ने रियान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 234 रन बनाए, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। वहीं जब पोलार्ड से बुमराह को लेकर सवाल किया गया तो, उन्होंने कहा कि जब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। पोलार्ड ने आगे कहा कि, बुमराह ने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी–कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। हां हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। मुझे बस लगता है कि कभी–कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं। क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो उसे हमेशा ज्यादा उछाला जाता है।

हार के बाद हार्दिक पंड्या का फूटा गुस्सा, बोले– हमारे गेंदबाजों ने प्लान चौपट कर दिया

मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बुधवार को यहां 243 रन का स्कोर खड़ा करने के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली छह विकेट की हार के बाद कहा कि उन्हें अपने गेंदबाजों से इस स्कोर का बचाव करने की उम्मीद थी। मुंबई के 244 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने हेड (76 रन, 30 गेंद, आठ छक्के, चार चौके) और अभिषेक शर्मा (45 रन, 24 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) के बीच पहले विकेट की 8.4 ओवर में 129 रन की साझेदारी के बाद हेनरिक क्लासेन (नाबाद 65 रन, 30 गेंद, चार छक्के, सात चौके) के अर्धशतक से 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत दर्ज की। रेयान रिकेल्टन ने इससे पहले अपने करियर और

मुंबई के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 55 गेंद में आठ छक्कों और 10 चौकों से नाबाद 123 रन बनाए जिससे मुंबई इंडियन्स ने पांच विकेट पर 243 रन का स्कोर खड़ा किया। पंड्या ने कहा कि ओस ने कोई खास भूमिका नहीं निभाई लेकिन गेंदबाजों ने खराब गेंद फेंकी। पंड्या ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि ओस ने कोई खास भूमिका निभाई। उन्होंने कुछ अच्छे शॉट खेले और हमने खराब गेंद फेंकी। आज मैदान पर मुझे बहुत मजा आया। 244 रन – मुझे अपने गेंदबाजों पर भरोसा था कि वे इसका बचाव करेंगे लेकिन हम अपनी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर पाए।''

मुंबई के कप्तान ने कहा कि मौजूदा सत्र में उनकी टीम मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा, ''यह सत्र कुछ ऐसा ही रहा है। आपको मौके मिलते हैं तो आप उन्हें भुनाते हैं। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको दुख होता है। इस सत्र में हमारे पास अधिक विकल्प नहीं हैं। मैं अपने गेंदबाजों को दोष नहीं दूंगा। एक पूरी टीम के तौर पर हम वह प्रदर्शन नहीं कर पाए जिसके लिए मुंबई इंडियन्स जानी जाती है। हमारे मालिक और सहयोगी स्टाफ बहुत जुनूनी हैं। उम्मीद है कि हम कोई ना कोई हल जरूर निकाल लेंगे।

अमेरिका हमें पीड़ित से हमलावर बना रहा है, यूएन में फूटा ईरान का गुस्सा, लगाए गंभीर आरोप

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह परमाणु अप्रसार संधि (छच्ज्) की समीक्षा बैठक का इस्तेमाल तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को गलत तरीके से पेश करने और वॉशिंगटन द्वारा किए गए उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए कर रहा हैय यह आरोप ऐसे समय में लगाया गया है जब संयुक्त राष्ट्र में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किए गए एक बयान में, मिशन ने कहा कि ईरान का सारा एनरिच्ड यूरेनियम (समृद्ध यूरेनियम) अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (प्।म्।) की पूरी निगरानी में है, और ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि ईरान का एक ग्राम भी परमाणु सामग्री कहीं और इस्तेमाल के लिए भेजी गई हो।

इस बयान में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भी आलोचना की गई, जिसमें कहा गया कि न्छ सुरक्षा परिषद, प्।म्। के डायरेक्टर–जनरल और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने न केवल इन गैर–कानूनी हमलों की निंदा करने में असफलता दिखाई, बल्कि सबसे ज्यादा अफसोस की बात यह है कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए जिनसे पीड़ित और हमलावर की भूमिकाएँ ही उलट गईं। इस बयान में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भी आलोचना की गई, जिसमें कहा गया कि न्छ सुरक्षा परिषद, प्।म्। के डायरेक्टर–जनरल और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने न केवल ष्इन गैर–कानूनी हमलों की निंदा करने में असफलता दिखाई, बल्कि सबसे ज्यादा अफसोस की बात यह है कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए जिनसे पीड़ित और हमलावर की भूमिकाएँ ही उलट गईं।

ईरान ने कहा कि अमेरिका उसकी परमाणु गतिविधियों को एक खतरे के तौर पर पेश कर रहा है, जबकि छच्ज् मंच का इस्तेमाल करके वह एक ऐसे राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है जिसे उसने श्राजनीतिक रंग दिया गयाश बताया, और साथ ही व्यापक निरस्त्रीकरण की अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर रहा है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में, ईरान के दूत अमीर सईद इरवानी ने चेतावनी दी कि खाड़ी क्षेत्र में स्थायी स्थिरता के लिए, ईरान के खिलाफ चल रहे हमलों को खत्म करना जरूरी होगा, जिसे उन्होंने श्लगातार जारी आक्रामकताश बताया और इसके साथ ही इस बात की गारंटी भी जरूरी होगी कि भविष्य में ऐसे कदम दोबारा नहीं उठाए जाएँगे, और ईरान की संप्रभुता का सम्मान किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी जैसे अहम जलमार्गों में नेविगेशन की आजादी का समर्थन करता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि लगातार बढ़ता सैन्य तनाव क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा को कमजोर कर सकता है। उन्होंने न्छ सुरक्षा परिषद से इस स्थिति पर ध्यान देने का आग्रह किया।

इरवानी ने आरोप लगाया कि 28 फरवरी से, अमेरिका और इजराइल अंतरराष्ट्रीय कानून और न्छ चार्टर, खासकर अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन करते हुए, ईरान के खिलाफ एक ष्व्यापक और अनुचित आक्रामक युद्धष् में लगे हुए हैंय उन्होंने आगे कहा कि इन कार्रवाइयों ने समुद्री सुरक्षा को बाधित किया है। ये घटनाक्रम न्यूयॉर्क में छच्ज् समीक्षा कॉन्फ्रेंस में वाशिंगटन और तेहरान के बीच तीखी नोक–झोंक के बीच सामने आए हैं, जहाँ ईरान को इस एक महीने तक चलने वाली बैठक के उपाध्यक्षों में से एक के तौर पर चुना गया था।

यूरोपीय क्रिकेट का बढ़ा क्रेज, जोंटी रोड्स और फाफ डु प्लेसी ने टी20 लीग में खरीदी टीम

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटरों जोंटी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन ने मिलकर यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग

(ईटीपीएल) की रोटरडम फ्रेंचाइजी खरीदी है। रोटरडम फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता के पहले सत्र में हिस्सा लेगी जिसका आयोजन 26 अगस्त से 30 सितंबर तक किया जाएगा। अन्य शहर आधारित फ्रेंचाइजी ग्लास्गो, एम्सटरडम, एडिनबर्ग, डबलिन और बेलफास्ट हैं। डु प्लेसी ने बयान में कहा, ''ईटीपीएल में जोंटी और क्लासेन के साथ मिलकर एक फ्रेंचाइजी हासिल करना मेरे लिए बहुत खास है। टीम के मालिक बनने की दिशा में यह मेरा पहला कदम है और इसका समय इससे बेहतर नहीं हो सकता था क्योंकि यूरोपीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है।

अरागची के मॉस्को से लौटते ही आधी रात ट्रंप को आया पुतिन का फोन, जानें क्या कहा

28 फरवरी 2026 को अमेरिका इजराइल ईरान वॉर की शुरुआत हुई थी और ठीक 2 महीने बाद यानी कि 29 अप्रैल को इसमें रशिया के जो प्रेसिडेंट है वलादमीर पुतिन और अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई है। डेढ़ घंटे तक के बातचीत चली है और चकि आपने जिक्र किया ईरान, यूएस और इजराइल वाली वॉर का तो बेशक उसके बारे में भी चर्चा हुई। लेकिन ज्यादातर चर्चा जो थी वो कीव के साथ यानी रूस ने यूक्रेन के साथ उसकी जो जंग चल रही है उसको टेंपरेरी रूप से रोकने के लिए बात की है और डॉनल्ड ट्रंप और पुतिन की जो बातचीत हुई वो उनके एक एड हैं यानी उनके करीबी हैं सलाहकार हैं। उनके हवाले से पता चली है और पुतिन के सलाहकार यूरी ने बताया है कि क्या बातचीत हुई डॉनल्ड ट्रंप और प्रेसिडेंट पुतिन के बीच में। तो उससे जो जानकारी आई है यूरी युषाकू नाम है उनका। तो यूरी यशाकू जो बताते हैं उनके पुतिन के एड वो मैं आपको बता रहा हूं। सबसे पहली चीज कि एक तरह से टेंपरेरी सीज फायर के लिए यहां पे पुतिन ने बात की डोन्ड ट्रंप से जो यूक्रेन और रशिया के बीच होना चाहिए।

9 मई को सीजफायर होने वाला है। और ये उस वजह से होने वाला है क्योंकि उस दिन 9 मई को एक विक्ट्री डे सेलिब्रेशन होता है रशिया में। विक्ट्री डे किस लिए? क्योंकि वर्ल्ड वॉर सेकंड में जब सोवियत यूनियन जीता था तब रशिया तो नहीं बना था। सोवियत यूनियन था। तो जब सोवियत यूनियन जीता था उसको तो कोमेबोरेट करने के लिए उसको याद में विक्ट्री डे सेलिब्रेशन होता है 9 मई को। और इसमें बड़ी दिलचस्प बात ये है ऋतू कि उसमें यूएस भी उनके साथ ही था। मतलब यूएस की भी विक्ट्री उसमें साथ–साथ हुई थी। तो इसलिए यहां पर सो रशिया के साथ ट्रंप ने भी उसमें हामी भरी कि बिल्कुल उन्होंने एग्री किया कि उस दिन शांत रह सकते हैं जैसा कि हमें क्रमन से पता चल रहा है। रूस से पता चल रहा है। मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस की उस पेशकश को दोहराया, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड समृद्ध यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। अमेरिकी नेता ईरान से यूरेनियम के इस भंडार को अमेरिका को सौंपने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, ''वह इसमें हमारी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं।'' इस पर मैंने कहा मैं चाहूंगा कि आप यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने में शामिल हों। मेरे लिए, यह अधिक महत्वपूर्ण होगा।'' इस बीच, रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'क्रेमलिन' ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के खिलाफ शत्रुता फिर से शुरू होती है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत में ईरान युद्ध पर चर्चा की और 'क्रेमलिन' ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई फिर से शुरू होती है तो इसके ''गंभीर परिणाम'' हो सकते हैं। राष्ट्रपति पुतिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने पत्रकारों से कहा कि पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा था कि ईरान की धरती पर जमीनी अभियान पूरी तरह से ''अस्वीकार्य और खतरनाक'' होगा।

मेंहदावल में शादी समारोह के दौरान हादसा, बेकाबू थार ने पांच बारातियों को रौंदा

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मेंहदावल क्षेत्र में बुध्दवार देर रात शादी की खुशियों के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक बेकाबू थार

वाहन ने सड़क किनारे खड़े बारातियों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारात में शामिल कुछ लोग सड़क के पास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान तेज रतार से आ रही एक अनियंत्रित थार ने नियंत्रण खो दिया और खड़े बारातियों को रौंदते हुए निकल गई। हादसे में रोशनी यादव, अमेरिका यादव, विराज यादव, दुर्गा और अभिषेक यादव सहित कुल पांच लोग घायल हो गए। टक्कर लगते ही सभी बाराती चीख–पुकार करते हुए इधर–उधर गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल सभी घायलों को उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मेंहदावल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। राहत की बात यह रही कि सभी पांचों घायलों की हालत खतरे से बाहर है, जिसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया। वहीं, थार चला रहे अनूप यादव को गंभीर चोटें आई हैं। सिर और शरीर में ज्यादा चोट लगने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गोरखपुर के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची मेंहदावल पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने सभी घायलों और चालक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा तेज रतार के कारण हुआ या चालक को नींद की झपकी आ गई थी।

ईरान युद्ध से हर अमेरिकी परिवार पर पड़ेगा +5,000 का बोझ? भरी संसद में भारतवंशी ने ट्रंप के मंत्री की कर दी बोलती बंद

पीट हेगसेथ की कांग्रेस में गवाही के दौरान, बुधवार को डेमोक्रेट रो खन्ना ने रक्षा सचिव से ईरान के साथ युद्ध के लिए एक औसत अमेरिकी परिवार को चुकानी पड़ रही कीमत के बारे में सवाल किया। जब हेगसेथ ने जवाब देने से इनकार कर दिया और पलटकर पूछा कि ष्एक ईरानी परमाणु बम की क्या कीमत है, तो खन्ना ने उनकी इस बात के लिए आलोचना की कि वे गवाही के दौरान सिर्फ सुर्खियाँ बटोरने वाले पल तलाश रहे थे, जबकि अपनी अक्षमता के कारण वे और उनका प्रशासन युद्ध की लागत का हिसाब लगाने में नाकाम रहे थे। खन्ना ने कहा कि उनके पास मौजूद एक अनुमान के मुताबिक, युद्ध के कारण पेट्रोल, भोजन और अन्य जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों की वजह से एक औसत परिवार को हर साल +5,000 ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। कुल मिलाकर, उन्होंने कहा कि इस युद्ध की वजह से संयुक्त राज्य अमेरिका को +631 अरब का नुकसान हुआ है। खन्ना ने आगे कहा क्या आप जानते हैं कि मुझे सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात

क्या है? यह बात अविश्वसनीय है कि आपने इस बात का विश्लेषण भी नहीं किया कि इसका अमेरिकी लोगों को कितना खर्च्च उठाना पड़ रहा है। एक बात तो यह होती कि आप कहते, 'ठीक है, इसका अमेरिकी लोगों को +5,000 का खर्च्च आया, लेकिन हमें लगता है कि यह इसके लायक है। हमने दूसरे विश्व युद्ध और अन्य युद्धों में भी यही किया है। इसका खर्च्च यह है, और आपको ही इसका भुगतान करना होगा।' लेकिन आपको तो यह भी नहीं पता कि एक आम अमेरिकी को इसके लिए कितना भुगतान करना पड़ रहा है! आपको यह भी नहीं पता कि ईरानी स्कूल पर गिरी मिसाइलों के लिए हमने कितना भुगतान किया है! आपको यह भी नहीं पता कि गैस के लिए हम कितना भुगतान कर रहे हैं! आपको यह भी नहीं पता कि खाने–पीने की चीजों के लिए हम कितना भुगतान कर रहे हैं! आपका +25 बिलियन का आँकड़ा तो पूरी तरह से ही गलत है! खन्ना ने आगे यह भी बताया कि हफ्तों तक चले युद्ध के बावजूद, प्रशासन अपने घोषित लक्ष्यों यानी ईरान के लगभग हथियार–ग्रेड यूरेनियम को हासिल करने और वहाँ की सरकार के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करनेकृ के आस–पास भी नहीं पहुँच पाया है। खन्ना और हेगसेथ के बीच पहले भी कई बार तीखी बहस हो चुकी है। अपनी जानी–पहचानी आक्रामक शैली में हेगसेथ ने अक्सर सुनवाई के दौरान नीति–संबंधी सवाल पूछे जाने पर सिर्फ बयानबाजी और निजी हमले करके जवाब दिया है। एक प्रगतिशील नेता के तौर पर खन्ना ने घोषणा की है कि वे 2028 के चुनावों में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान युद्ध के बाद पहली बार हेगसेथ कांग्रेस के सामने पेश हुए। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने युद्ध की लागत 25 अरब डॉलर बताई, लेकिन कई डेमोक्रेट सांसदों ने इस पर संदेह जताया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य तक पर सवाल उठाए। इस पर हेगसेथ ने पलटवार करते हुए कहा कि ट्रंप विभिन्न पीढ़ियों में सबसे तेज और सूझबूझ वाले कमांडर–इन–चीफ हैं। उन्होंने डेमोक्रेट सदस्यों से पूछा कि क्या उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की क्षमता पर कभी सवाल उठाया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी सुनवाई में मौजूद थे। हेगसेथ ने कहा कि इस समय सबसे बड़ा खतरा विपक्षी नेताओं के गैर–जिम्मेदार और निराशावादी बयान हैं, जो मिशन की सफलता को नजरअंदाज कर रहे हैं। युद्ध के बीच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नया नेतृत्व लाने के लिए यह जरूरी था। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने उनके फैसलों का समर्थन किया। वहीं, कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद जॉन गरामेंडी ने ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक और आर्थिक आपदा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और युद्ध में फंस गया है। हेगसेथ ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह दुश्मनों को बढ़ावा देने जैसा है। हेगसेथ बृहस्पतिवार को सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सामने भी पेश होंगे।

संयुक्त निदेशक राजेश राम का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण/शिक्षुता) राजेश राम के सम्मान में एक भव्य एवं गरिमामयी सेवानिवृत्ति अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ, जिसने उपस्थित सभी जनों के लिए इसे एक यादगार अवसर बना दिया। इस गरिमामयी समारोह के सफल आयोजन में नोडल प्रधानाचार्य राम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल मार्गदर्शन, उत्कृष्ट नेतृत्व एवं सशक्त समन्वय के परिणामस्वरूप कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से सम्पन्न हुआ। समारोह में मण्डल के विभिन्न संस्थानों के प्रधानाचार्य कृमनकापुर, तरबगंज, प्रभुनाथ (प्रधानाचार्य कर्नलगंज), बहराइच, मैथिली शरण (प्रधानाचार्य बलरामपुर), फोरमैन आशीष भूषण, राम इन्द्रा यादव, फोरमैन हनुमान एवं अन्य कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी

निजी आईटीआई संस्थानों के प्रतिनिधियों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, विष्णुपुरी कॉलोनी, गोण्डा के हरीश गुप्ता, आरबीटीएम आईटीआई के विनय कुमार त्रिपाठी, मॉडर्न आईटीआई के योगेन्द्र सैनी, लोक सेवा संस्थान के गुलाब सिंह, सविता आईटीआई के अरविंद, दीनदयाल आईटीआई के अजय कुमार सहित अनेक प्रधानाचार्य एवं प्रबंधकगण, एमआईएस प्रबंधक, कार्यदेशक, अनुदेशक की सहभागिता ने कार्यक्रम की भव्यता को और अधिक बढ़ा दिया।अपने संबोधन में वक्ताओं ने संयुक्त निदेशक राजेश राम के 27 वर्षों के उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाकाल की सराहना की। उनके कार्यकाल में आईटीआई संस्थानों के विकास, गुणवत्ता सुधार एवं नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए किए गए प्रयासों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। उनके नेतृत्व में राजकीय एवं निजी आईटीआई के बीच समन्वय को सुदृढ़ किया गया, जिससे प्रशिक्षण व्यवस्था को नई दिशा एवं गति मिली।विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि उनके कार्यकाल में ज्स्र एवं आईटीआई के बीच एक महत्वपूर्ण टाई–अप स्थापित हुआ, जिसके माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को नवीनतम तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुअवसर मिलेगा। यह पहल मण्डल के कौशल विकास क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी।कार्यक्रम के सफल संचालन एवं रूपरेखा निर्धारण में विजय बरवार (कार्यदेशक) का सराहनीय योगदान रहा। उनके प्रभावशाली मंच संचालन ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत एवं आकर्षक बनाए रखा। समारोह के अंत में सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किए गए तथा पारंपरिक सम्मान के तहत आतिशबाजी (फायरिंग) के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसने पूरे आयोजन को और भी आकर्षक एवं यादगार बना दिया।अंत में, सभी उपस्थित जनों ने संयुक्त निदेशक राजेश राम के स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल जीवन की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

कंप्यूटर साइंस में 96% अंक अभिनव श्रीवास्तव ने ISC 2026 में बढ़ाया बहराइच का मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन्स द्वारा घोषित वर्ष 2026 के आईएससी परीक्षा परिणाम में जनपद बहराइच के विकास खंड चित्तौरा अंतर्गत ग्राम पंचायत अहिरौरा निवासी मेधावी छात्र अभिनव श्रीवास्तव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। सेंट नॉर्बर्ट्स स्कूल, बहराइच के छात्र अभिनव श्रीवास्तव ने परीक्षा में शानदार अंक प्राप्त करते हुए सफलता हासिल की। विशेष रूप से कंप्यूटर साइंस विषय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय कराया।

प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने अभिनव की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं परिवारजनों ने इसे उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम बताया। अभिनव श्रीवास्तव की इस सफलता से पूरे जनपद में खुशी का माहौल है और लोग उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। अभिनव ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता–पिता, परिवारजनों एवं गुरुजनों को दिया है।

अटल सामुदायिक दिवस पर विज्ञान व नवाचार की धूम, छात्रों ने दिखाया उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रमपुरवा में गुरुवार को अटल सामुदायिक दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रमपुरवा के विद्यार्थियों के साथ श्री रामेश्वरदत्त बाजपेयी इंटर कॉलेज तथा राजकीय हाईस्कूल टेडवा सिसटीपुर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना रहा। अटल टिंकरिंग लैब (ATL) के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जानकारी, 3क प्रिंटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसे आधुनिक विषयों पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाएं संचालित की गईं। ATL प्रभारी अनिल कुमार ने छात्रों को सरल और रोचक ढंग से इन का मार्गदर्शन किया, जिससे उन्नत तकनीकों का परिचय कराया। विद्यार्थियों ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया और नए प्रयोगों को समझने में विशेष रुचि दिखाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अमित कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान और तकनीक देश के विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने छात्रों को नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बना सकती आयोजन अत्यंत सफल और है। कार्यक्रम की खास बात प्रभावी रहा। अंत में सभी यह रही कि शिक्षकों ने भी प्रतिभागियों और सहयोगियों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए छात्रों धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सरकारी कम्पोजिट विद्यालय के समाने की भूमि पर अतिक्रमण झोपड़ी व पशु को बांधते लोग,कार्यवाही शून्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लगातार अतिक्रमण हटाने को लेकर शासन प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है तो वहीं कुछ जगहों पर सरकारी विद्यालय के गेट पर पड़ी विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण कर रास्ता अवरोध की चर्चा जोरों पर है और इसका जिम्मेदार कौनघ है ग्राम प्रधान या ग्राम सचिव अथवा लेखपाल फिर हाल अभी तो कुछ कहना मुश्किल है।जनजागरूक लोगों के बीच से चर्चा का विषय बना पंडरी कृपाल ब्लाक अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोनवर्षा का कम्पोजिट विद्यालय जो शिक्षा क्षेत्र पंडरी कृपाल मे है।गेट के ठीक सामने

रोड से लगा हुआ सरकारी विद्यालय की भूमि है जिसपर लगातार अवैध तरीके से अतिक्रमण कर लोगों ने झोपड़ पट्टी आदि रख ली है चर्चा के मुताबिक सरकारी विद्यालय के सामने अवैध तरीके से कुछ लोग पशुओं को भी बांधते हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने तो जैसे मुंह मोड़ लिया हो और सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की प ल करने के इंतजार में एक दूसरे की आंस लगाएं हुए हैं।कम्पोजिट विद्यालय की जो भूमि होती है उसपर सिर्फ विद्यालय के उपयोग हेतु ही अधिकृत मानी जाती है।कई लोगों से दबे जुबान में जानकारी मिली है कि अवैध अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया जाता है लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः अतिक्रमण कर लिया जाता है।अब सवाल यह उठता है कि जब अतिक्रमण शासन प्रशासन के देखरेख में हटता है तो पुनः अतिक्रमण किसके सह पर हो जाता है।इस प्रकार के अवैध अतिक्रमण व विद्यालय गेट पर कब्जा करने के सम्बन्ध में हमारे मीडिया कर्मियों ने ग्राम प्रधान सोनवर्षा के दूरभाष पर सम्पर्क करने की कोशिश भी किया लेकिन किन्हीं कारणवश उनका पक्ष नहीं मिल सका।अब देखना यह है कि क्या खबरों का संज्ञान जिम्मेदार लेंगे और अतिक्रमण कारियों पर कड़ी कार्यवाही करके कम्पोजिट विद्यालय के सामने की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर भविष्य में ऐसा न है उचित कानूनी व्यवस्था होगी या सिर्फ नाममात्र ही होगा।

गोन्डा–लखनऊ हाईवे पर दर्दनाक हादसा,5 वर्षीय शिवानी की मौत,आक्रोशित परिजनों ने किया चक्का जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लगातार रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने का चल रहा है लेकिन रोड हादसे कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है।ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है गोन्डा–लखनऊ हाईवे पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ,जिसमें 5 वर्षीय मासूम बच्ची शिवानी सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,जबकि एक अन्य बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जन चर्चा से मिली जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के जगन लाला पुरवा, बालपुर जाट निवासी सुनील सिंह की पुत्री शिवानी सिंह अपने पिता के

साथ सड़क किनारे खड़ी थी। तभी गोंडा से लखनऊ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार मारुति वैन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि शिवानी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पास में खड़ी एक अन्य बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए और शव को सड़क पर रखकर हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंची देहात पुलिस को भी लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। परिजनों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना पर पहुंचे देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझा–बुझाकर शांत कराया। उन्होंने कहा कि हादसे में शामिल वाहन को कब्जे में ले लिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, मृत बच्ची के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

रंग लायी सौरभ त्रिपाठी की पहल: श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण के लिये धन स्वीकृत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी की पहल पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। धर्मार्थ कार्य निदेशालय वाराणसी के सचिव के पत्र के आधार पर बस्ती के तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा भेजे गये पांच विन्दुओं की आख्या के आधार पर पर्यटन विभाग द्वारा कार्य हेतु 2 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिल गयी है। यह जानकारी देते हुये विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि उन्होने वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र देकर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर के निर्माण और सौन्दर्यीकरण कराने की मांग किया था। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और कारिडोर निर्माण की घोषणा भी कर दिया। धन स्वीकृति के बाद कारीडोर निर्माण आरम्भ हो जायेगा। सौरभ त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण से श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का विकास भी और तेजी से होगा।

आईसीएसई बोर्ड से अच्छे अंक से अंशिका हुई उत्तीर्ण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। कस्बा के कृष्णा नगर वार्ड के सेखुइया निवासी प्रधानाध्यापक हरिशंकर सिंह की पुत्री अंशिका सिंह इंटरमिडियट की परीक्षा 2026 में आईसीएसई बोर्ड से उत्तीर्ण होकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अंशिका जनपद मुख्यालय स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में अध्ययनरत थी । इसी संस्था से इंटर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। इनकी इस सफलता पर शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी, हेमन्त जायसवाल, रूपेश सिंह, संजय गुप्ता, विरेंद्र पाण्डेय, अनंत मिश्र, देवेंद्र श्रीवास्तव, अश्वनी मिश्र, धर्मेंद्र पाण्डेय, राहुल दूबे, सोमनाथ मिश्र, शिव पाल सिंह आदि ने खुशी व्यक्त की है।

इंडियन बैंक की पहल : बहराइच यातायात पुलिस को मिले 35 मोबाइल बैरियर

दैनिक बुद्ध का संदेश बहराइच। सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंडियन बैंक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत जनपद बहराइच की यातायात पुलिस को 35 मोबाइल बैरियर प्रदान किए। गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित यातायात कार्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में इन बैरियरों का वितरण किया गया। इनका उपयोग शहर के व्यस्त और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात को नियंत्रित करने, व्यवस्था बनाए रखने और सड़क सुरक्षा उपायों को प्रभावी बनाने के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अंचल प्रमुख के.सी. साहू, मुख्य प्रबंधक रश्मि अवस्थी और मुख्य प्रबंधक आराधना सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैंक अधिकारियों ने बताया कि संस्था समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और आगे भी जनहित के कार्यों में सहयोग जारी रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने इंडियन बैंक के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास न केवल यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाएंगे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

विश्वजीत श्रीवास्तव ने की, जबकि अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर यातायात प्रभारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। इंडियन बैंक की ओर से

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस सं0–16/26

पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल, मण्डल रेल प्रबन्धक (वा), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र0सं0 1:– लॉट सं0: PnU-LJN-BNY-Toi-4-26-1 (Pay and Use-Toilets), कार्य का विवरण: बढ़नी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आईआरपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0– 14.05.2026, 12.00 बजे प्रारंभ होकर दि0 14.05.2026, 12.30 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चौक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व. शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)
मुजाधि/वाणिज्य–25 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- पगारखास, वि.ख.- बनकटी, जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना–2026–27

कार्यालय ग्राम पंचायत– **पगारखास**, विकास खण्ड– **बनकटी** जनपद– **बस्ती** द्वारा एस. एल.डब्लू.एम. (SLWM) फेज 2 योजना अन्तर्गत ग्राम निधि यथा पंचम छाठवां राज्यवित्त, पंद्रहवां/सोलहवां केंद्रीय वित्त से वित्त पोति योजना अंतर्गत आर०आर०सी० सेन्टर, सेग्रीगेशन सेन्टर, ठेला, कूड़ागाड़ी एवं अन्य कार्य, स्वच्छ भारत मिशन योजना अन्तर्गत, विकसित भारत–जी राम जी (मनरेगा) योजना अंतर्गत, अन्त्येठि स्थल विकास योजना अन्तर्गत, आर.जे.एस.ए. योजनान्तर्गत एवं ग्राम पंचायत में समय–समय पर लागू अन्य सभी परियोजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय वर्ा 2026–27 में स्वीकृत एवं कराये जाने वाले कार्यों/पूर्व स्वीकृत कार्यों को कराने हेतु प्रयुक्त होने वाली सभी प्रकार की सामग्रियों की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता, जो आयकर एवं व्यापार कर में पंजीकृत हों, पी०डब्ल्यू०डी० के मानक विशिटियों सहित कार्य स्थल पर प्रथम श्रेणी ईंट, इण्टरलाकिंग ईंट, ईंट टुकड़ा, बालू, मोरंग, गिट्टी, सीमेण्ट, टाईल्स, सरिया, ह्यूमपाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, पेन्ट, स्कूल बेंच, स्कूल फर्नीचर, सीमेंटेड बेंच, स्वच्छता/सफाईकर्मी किट, पिलर, तार, आयरन, फर्नीचर, प्लंबरिंग कार्य संबंधी सभी सामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, वायरिंग सामग्री, सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड, ई– रिक्शा/ठेला, प्रशासनिक कार्यों हेतु सभी प्रकार की स्टेशनरी व गैजेट्स आदि एवं अन्य ग्राम पंचायत के कार्यों में प्रयुक्त सभी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 13.05.2026 को दिन में 10 बजे तक सामाग्री हेतु अपनी निविदा दर, वांछित प्रपत्र पर बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत के कार्यालय के निविदा बाक्स में डाल सकते है और दिनांक 16.05.2026 को दिन में 12 बजे ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधि कारी/कर्मचारियों के द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जायेंगी। धरोहर की राशि 5000. 00 (पांच हजार रूपये)/00.00 रूपये की होगी।

नियम व शर्तें 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा, उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर दाता हो, प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ा का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा। 4. सामाग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करना होगा। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाएं वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाएं। 6. सामाग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी। 7. सामाग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें पी०डब्ल्यू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। 9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत (शासन द्वारा निर्धारित) आयकर देना होगा। 10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, ग्राम पंचायत सदस्य, बी०डी०सी०, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे–सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नही की जाएंगी। 11. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नही किया जायेगा। 13. धरोहर राशि नकद, राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. और एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **पगारखास** के नाम बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामाग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविदा फार्म ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500.00 (पांच सौ रुपया)/निःशुल्क है पर ही स्वीकार किया जायेगा। 16. सीमेण्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित के पास डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेण्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 17. सामाग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध मौर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 18. किसी भी वाद विवाद पर ग्राम पंचायत का निर्णय अन्तिम व सर्व मान्य होगा। ग्राम पंचायत के निर्णय के विपरीत किसी भी तरह का कोई वाद न्यायालय में नहीं लाया जायगा।

जानकी देवी
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-पगारखास
वि.ख. - बनकटी

अमित प्रकाश
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-पगारखास
वि.ख. - बनकटी

बिना किसी कारण के विद्युत आपूर्ति की कटौती की गई तो होगी कार्रवाई: डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में विद्युत आपूर्ति,रखरखाव एवं सुधार कार्यों की प्रगति का आकलन करना।समीक्षा के दौरान विद्युत सर्किल क्षेत्र मनकापुर की अत्यंत खराब प्रगति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एक्सईएन विद्युत मनकापुर कमर फारुख को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और कार्यों में तेजी लाने की सख्त हिदायत दी।डीएम ने बैठक में स्पष्ट निर्देश

देते हुए कहा कि प्रत्येक खंडवार हाईटेंशन तारों की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाए।इसमें यह भी शामिल हो कि कितने लोगों को नोटिस जारी किए गए, कितने स्थानों पर हाईटेंशन तार हटाए गए, तथा वर्तमान में कितने स्थानों पर तार हटाने का कार्य प्रगति पर है।इसके अतिरिक्त, उन्होंने ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि से संबंधित कार्यों की जानकारी भी मांगी और निर्देश दिए कि जहां भी आवश्यकता हो,वहां शीघ्रता से क्षमता बढ़ाई जाए।बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जनपद के कितने मजरों में विद्युत आपूर्ति कार्य कराया जा रहा है, इसकी अद्यतन रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए। साथ ही विद्युत विभाग के सभी एसडीओ को अपने–अपने सबस्टेशन पर ही निवास करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।डीएम ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिना किसी उचित कारण के विद्युत आपूर्ति में कटौती किए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आम जनता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इसके अतिरिक्त, जनपद में प्रथम चरण के अंतर्गत 206 परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहे विद्युत तारों को चिन्हित कर हटाने के निर्देश दिए गए थे।विद्युत विभाग द्वारा अब तक 102 विद्यालयों से तार हटाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जबकि शेष विद्यालयों में कार्य प्रगति पर है।डीएम ने शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने और निर्धारित समयसीमा में लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि जनपद में विद्युत व्यवस्था को सु.ढ़ एवं सुचारू बनाया जा सके।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन, एसई विद्युत सुशील यादव, एक्सईएएन गोण्डा शहर राम मोहन पाण्डेय,एक्सईएएन विद्युत करनैलगंज,एक्सईएएन विद्युत नवाबगंज,एक्सईएएन विद्युत मनकापुर,परियोजना निदेशक डीआरडीए सुशील कुमार पाण्डेय,एबीएसए मुख्यालय राम खेलावन सिंह सहित समस्त एबीएसए, एसडीओ विद्युत व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एडीएम की अध्यक्षता में अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ

के द्वारा विज्ञापन संख्या–08–परीक्षा/2024, अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0–2023)/08 की लिखित परीक्षा दिनांक 03 मई, 2026 (रविवार) को पूर्वान्ह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा सकुशल, नकल विहीन, शुचितापूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)/नोडल अधिकारी जयप्रकाश की अध्यक्षता में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं कार्यदायी संस्था के जिला प्रबन्धक एवं आयोग द्वारा नामित समन्वयी पर्यवेक्षक की उपस्थित में बैठक/प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभागी समस्त अधिकारियों एंव केन्द्र व्यवस्थापकों को आयोग द्वारा प्रदान किये गये निर्देश के कम में सर्वसम्बन्धित को अपने दायित्वों के बारे में बताया गया। अपर जिलाधिकारी द्वारा आयोग द्वारा प्राप्त पीपीटी प्रदर्शित करते हुए प्रत्येक बिन्दुओं पर सर्वसम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि अपने–अपने दायित्वों शतप्रतिशत निर्वहन करते हुए सकुशल परीक्षा सम्पन करायें तथा दिनांक 02.05.2026 को प्रातः 10:00 बजे से अपने–अपने केन्द्रों पर अन्तरिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा कार्यदायी संस्था के केन्द्र प्रभारी की उपस्थिति में सम्पन्न करायें।

अपर निदेशक डॉ. जीवन लाल को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई, कार्यशैली की हुई सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पशुपालन विभाग बस्ती मंडल के अपर निदेशक डॉ. जीवन लाल के सकुशल सेवानिवृत्ति पर पशुधन प्रसार अधिकारी संघ, उत्तर प्रदेश की ओर से कार्यालय में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके योगदान को याद किया। डॉ. जीवन लाल अपने सेवा काल में जनपद सिद्धार्थनगर में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के पद पर लगभग तीन वर्षों तक कार्यरत रहे। इस दौरान उन्होंने अपनी सरल, सौम्य और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली से विभाग और आमजन के बीच एक सकारात्मक छवि बनाई। उनकी प्रशासनिक दक्षता

की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने हमेशा गोवंश सेवा और उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता दी। समारोह में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष (सिद्धार्थनगर) अरुण कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. जीवन लाल की कार्यशैली से सभी ने बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कर्मचारियों को कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने डॉ. जीवन लाल के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना भी की। इस अवसर पर मंत्री अवनीश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष अरुण कुमार, शशांक प्रभाकर चौधरी, विमल आनंद, भानु प्रताप सिंह सहित संघ के अन्य पदाधिकारियों ने डॉ. जीवन लाल का अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, बुके और फूल–मालाओं से सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

सिद्धार्थनगर में नायब तहसीलदारों का तबादला, प्रशासन ने कसा शिकंजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने 30 अप्रैल को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए नायब तहसीलदारों के तबादले किए हैं।

इस कदम को राजस्व व्यवस्था में सुधार और प्रशासनिक कसावट की दिशा में अहम माना जा रहा है। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव को बांसी तहसील से हटाकर सीलिंग कार्यालय में तैनात किया गया है। वहीं विष्णु प्रसाद सिंह को डुमरियागंज तहसील से इटवा तहसील भेजा गया है, जबकि राघवेन्द्र कुमार पांडेय को इटवा से डुमरियागंज स्थानांतरित किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिले में राजस्व मामलों की बढ़ती संख्या, लंबित वादों का दबाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की आवश्यकता को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इस फेरबदल से तहसीलों में कार्यों के पुनर्संतुलन और लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनियमितता या शिकायतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इधर, खेसरहा क्षेत्र में हाल ही में सामने आए कथित वसूली प्रकरण के बाद इन तबादलों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसे सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया है, लेकिन प्रशासनिक हलकों में इसे राजस्व विभाग में उठे विवाद से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इस फैसले के बाद राजस्व विभाग में हलचल तेज हो गई है और अधिकारियों–कर्मचारियों के बीच जवाबदेही को लेकर सतर्कता बढ़ती नजर आ रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई में सुनी गयी समस्या निस्तारण के दिये निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में छात्राएं आगे आएं–उमा अग्रवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल

ने छात्राओं और महिलाओं से आह्वान किया कि वे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कराने के लिए आगे आएं और अपने स्वाभिमान की रक्षा हेतु सक्रिय भागीदारी निभाएं। गुरुवार को शिवपति पीजी कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ेगी, जिससे उनका सम्मान भी सु.ढ़ होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस अधिनियम का विरोध कर महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहा है और इसे सदन में लागू होने से रोकने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक अधिनियम लागू नहीं हो जाता, तब तक देश की छात्राएं और महिलाएं अपने अधिकारों और सम्मान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करती रहें।कार्यक्रम में शिवांगी, कल्पना, गीता सहित कई छात्राएं उपस्थित रहीं।

डीएम ने उत्कृष्ट बैंक अधिकारियों को किया सम्मानित, समन्वयकों संग समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित जिला समन्वयकों की बैठक में वर्ष 2025–26 के दौरान स्वरोजगार योजनाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 21 बैंक अधिकारियों व शाखा प्रबंधकों को

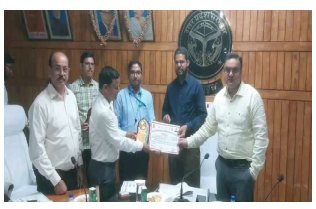

सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता ने भी सम्मान वितरण में सहभागिता की। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2026–27 की शुरुआत से ही बैंक सीडी रेशियो बढ़ाने, प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण वितरण तेज करने, किसानों को केसीसी उपलब्ध कराने और पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने हेतु कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जनपद बहराइच में स्वरोजगार योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, बैंक समन्वयक व प्रबंधक मौजूद रहे।

दिव्यांगजन के लिए चिन्हांकन शिविरों का आयोजन, विभिन्न ब्लॉकों में तय तिथियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को .त्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिन्हांकन शिविरों का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। ये

शिविर जनपद के विभिन्न विकासखंड मुख्यालयों पर आयोजित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड सेमरियावां में 02 मई 2026, बेलहर कला में 04 मई 2026, बघौली में 06 मई 2026, सांथा में 08 मई 2026, पौली में 11 मई 2026, मेहदावल में 13 मई 2026 तथा नाथनगर में 15 मई 2026 को शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी शिविर संबंधित विकासखंड मुख्यालयों पर प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक चलेंगे। इन शिविरों में पात्र दिव्यांगजन आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर शिविर में पहुंचकर सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं।

सोनभद्र में दो माह चलेगी मार्निंग कोर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चलेगी। एक मई शुक्रवार से प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में परिवर्तन करना पड़ेगा जिससे शुरुआत में परेशानी होगी। बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया है। जनपद न्यायाधीश सोनभद्र राम सुलीन सिंह ने प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन एक मई से 30 जून तक प्रातः 7 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक करने का निर्देश दिया है। वहीं कार्यालय का समय प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक होगा। इसके अलावा मध्यावकाश का समय सुबह 10:30 बजे से पूर्वान्ह 11:00 बजे तक रहेगा। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू होगा।

मूक–बधिर बालिका मेहदावल में भटकती मिली, शरीर पर चोट के निशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मेहदावल थाना क्षेत्र से एक संवेदनशील मामला सामने आया है। संस्कार मंडप के समीप बृहस्पतिवार को एक लगभग 18 वर्षीय मूक–बधिर बालिका भटकती हुई मिली। बालिका कुछ भी बोल नहीं पा रही है और डर के मारे संस्कार मंडप के पास बैठकर रो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लड़की काफी देर से यहां बैठी है। उसके चेहरे पर डर साफ दिख रहा है और शरीर पर चोट के निशान भी हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि उसे किसी ने मारा–पीटा है और वह यहां तक भटक कर आ गई है। बालिका अपना नाम, पता या परिजनों के बारे में कुछ भी नहीं बता पा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मेहदावल पुलिस को सूचना दी है। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन और सामाजिक संगठनों से भी मदद की अपील की गई है, ताकि बालिका को सुरक्षित संरक्षण में पहुंचाया जा सके। फिलहाल बालिका को खाना–पानी देकर शांत कराने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है। अपीलरू यदि कोई इस बालिका को पहचानता है या इसके परिजनों के बारे में जानकारी रखता है तो .पया मेहदावल थाना या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर तुरंत संपर्क करें। आपकी एक मदद बालिका को उसके घर तक पहुंचा सकती है।

अवैध खनन प्रकरण में वांछित व 10,000 रुपये का ईनामिया बाल अपचारी पुलिस हिरासत में, वाहन बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा प्रभावी पतारसी–सुरागरसी करते हुए मु0अ0सं0 43/2026 से संबंधित वांछित 01 नफर बाल अपचारी को दिनांक 30.04.2026 को ग्राम खैरटिया, थाना ओबरा क्षेत्र से विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए पुलिस हिरासत में लिया गया। हिरासत में लेने के दौरान मौके से संबंधित थार वाहन संख्या न्च 64 ी 8515 (काला रंग) बरामद किया गया, जिसे आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए सीज किया जा रहा है। उक्त प्रकरण में अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 303(2), 317(2), 121(1), 109(1), 61(2)। व 3(1)/58/72(6) उ0प्र0 उपखनिज परिहार नियमावली , 4/21 खान व खनिज अधि0 व 3 सार्वजनिक सम्पति क्षति निवारण अधि0 के अंतर्गत अभियोग पंजी.त है। गिरतारी उपरांत बाल अपचारी को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

केडी: द डेविल को रिलीज से एक दिन पहले राहत, सेंसर बोर्ड ने दिखाई हरी झंडी

ध्रुव सरजा और संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म केडीरू द डेविल को लेकर बड़ा अपडेट आया है। फिल्म आज 30 अप्रैल को रिलीज हो रही है और एक दिन पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने हरी झंडी दिखाई है। केवीएन प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस बात का ऐलान किया है। दरअसल निर्माताओं को सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र न मिलने के कारण रुकावट का सामना करना पड़ रहा था।

निर्माताओं ने केडीरू द डेविल के प्रमाणन का ऐलान करते हुए लिखा, ए सर्टिफाइड। रॉ। बेरहम। असली। केडीरू द डेविल रिलीज में बस 1 दिन बाकी। फिल्म को ए प्रमाणपत्र मिला है, जिसका मतलब है कि सिर्फ 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग इसे देख सकेंगे। इससे पहले, निर्माताओं को प्रमाणपत्र न मिलने के कारण फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब से हटाना पड़ा था, क्योंकि उसमें कुछ ऐसे दृश्य शामिल थे जिन्हें प्रमाणित नहीं किया गया था। 1970 के दशक पर आधारित यह एक धमाकेदार पैन–इंडिया फिल्म है, जिसमें कन्नड़ अभिनेता ध्रुव की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। संजय भी इसका हिस्सा हैं। उनके अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, और रेश्मा नानाइया जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह दर्शकों को थ्रिल, जबरदस्त एक्शन दृश्य और रोमांचक सिनेमाई अनुभव प्रदान करने का वादा करती है।

12वें दिन भी चला भूत बंगला का जादू, करोड़ों में हुई कमाई, अब टूटेगा स्त्री का रिकॉर्ड

अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी भूत बंगला भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. रिलीज के दूसरे वीकेंड पर धमाकेदार कमाई करने के बाद अब वीकडेज में भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. वहीं दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में तेजी भी देखी गई. चलिए यहां जानते हैं भूत बंगला ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है?

अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी भूत बंगला भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. रिलीज के दूसरे वीकेंड पर धमाकेदार कमाई करने के बाद अब वीकडेज में भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. वहीं दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में तेजी भी देखी गई. चलिए यहां जानते हैं भूत बंगला ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो भूत बंगला ने दूसरे मंगलवार यानी 12वें दिन 4.35 करोड़ कमाए हैं. वहीं 11वें दिन फिल्म ने 3.65 करोड़, 10वें दिन 12.50 करोड़, 9वें दिन 10.75 करोड़ और 8वें दिन 5.75 करोड़ कमाए थे. फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 84.40 करोड़ रुपये रहा था. इसी के साथ भूत बंगला के 12 दिनों का कुल कलेक्शन अब 121.40 करोड़ रुपये हो गया है. स्त्री को मात देने से इंचभर दूर है भूत बंगला

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर ये फिल्म अब राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री (129.67 करोड़) की लाइफटाइम कमाई को पीछे छोड़ने से चंद कदम दूर है. ऐसा करने के बाद ये बॉलीवुड की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर–कॉमेडी फिल्म बन जाएगी. इसने मुंज्या के 108 करोड़ के लाफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है.

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म में वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, जिस्सू सेनगुप्ता, मिथिला पालकर, राजेश शर्मा और दिवंगत असरानी भी हैंय कई बार देरी के बाद यह कॉमेडी फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इससे एक दिन पहले, 16 अप्रैल, 2026 को इसके पेड प्रीव्यू शो रखे गए थे.

फातिमा सना शेख ने बिकनी में दिए पोज, बताया किस बात से हो जाती हैं खुश

फातिमा सना शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही ने एक्ट्रेस ने बिकिनी में अपनी कई फोटोज शेयर की है. जिसपर फैंस प्यार लुटा रहे है. हालांकि एक्ट्रेस कई साल पहले बिकिनी फोटोशूट के लिए ट्रोल हो चुकी है.

फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर बिकिनी में अपनी कई सारी फोटो शेयर की है. तस्वीरों में एक्ट्रेस मरून कलर की

बिकिनी पहने बीच के किनारे पोज देती नजर आ रही है. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. उनका ये ग्लैमरस अवतार देख फैंस दीवाने हो गए हैं. एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, मुझे खुश करना बहुत आसान है. मुझे बस बीच या पहाड़ों पर ले जाओ, और कुछ नहीं चाहिए और हां, बिजली से बेहतर ट्रैवल पार्टनर कोई नहीं है. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. फोटोज पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. बता दें, फातिमा सना शेख साल 2017 ट्रोलिंग का शिकार हो गई थी. दरअसल, उन्होंने रमजान के महीने में एक मैगजीन के लिए बिकिनी फोटोशूट कराया था, जिसकी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की थी. वहीं, फोटो को डालने के बाद उनपर लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया था. सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि मुस्लिम होने के नाते उन्हें रमजान में ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए.

टॉक्सिक फिर हुई पोस्टपोन, अब 4 जून को रिलीज नहीं होगी यश की फिल्म, ग्लोबल प्लान के साथ जल्द होगा नई डेट का एलान

साउथ सुपरस्टार यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है. फिल्म पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी, लेकिन इसकी रिलीज डेट को आगे खिसकाकर 4 जून 2026 किया गया था. फिल्म टॉक्सिक को लेकर मेकर्स ने नया पोस्ट जारी किया है. इसमें बताया है कि फिल्म की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है. अब फिल्म कब रिलीज होगी. मेकर्स इसका बहुत जल्द ऐलान करेंगे. फिल्म टॉक्सिक क्यों पोस्टपोन हुई है, इसका कारण मेकर्स ने एक लंबे चौड़े पोस्ट में बताया है.

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर लिखा है, कुछ फिल्में हम बनाते हैं, और कुछ फिल्में हमें याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ. टॉक्सिक ऐसी ही एक यात्रा रही है. सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म का प्रदर्शन करना और वैश्विक स्तर पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हमारे उस विश्वास को और पुख्ता कर दिया है जो हम हमेशा से मानते आए हैं कि यह फिल्म विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने की हकदार है.

उन्होंने आगे लिखा है, टॉक्सिक पूरी हो चुकी है, और हम वर्तमान में वैश्विक वितरण और साझेदारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज की तारीख में बदलाव करने का निर्णय लिया है. हालांकि हम पहले घोषित 4 जून को फिल्म रिलीज नहीं करेंगे, बल्कि बाद में वैश्विक स्तर पर तय तारीख पर रिलीज करेंगे. टॉक्सिक जल्द ही दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मेकर्स आगे लिखते हैं, ऐसे समय में जब भारतीय सिनेमा अपनी पहचान बना रहा है और वैश्विक मंच पर इतनी उम्मीदों के साथ कदम रख रहा है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम स्तर को ऊंचा उठाएं. एक अभिनेता–निर्माता के रूप में, मैं इस पल को भारतीय फिल्म उद्योग और हम सभी के लिए अपना योगदान देने के अवसर के रूप में देखता हूं, और यह सुनिश्चित करने के लिए समय निकालता हूं कि हमारी फिल्म दुनिया तक उस प्रभाव के साथ पहुंचे जो इसे डालना चाहिए.

हर कदम और हर बदलाव में आपका समर्थन मेरे साथ बना रहा है, और मैं इसके लिए अत्यंत आभारी हूं. कुछ कहानियों में धैर्य की आवश्यकता होती है. कुछ यात्राओं में इसकी मांग होती है. हम आपको एक ऐसी फिल्म देने का वादा करते हैं जिसका आप आनंद लेंगे और जश्न मनाएंगे. एक ऐसी फिल्म जो भारतीय सिनेमा के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण साबित होगी.

बता दें, टॉक्सिक में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिनी वसंत अहम रोल में नजर आने वाली हैं. टॉक्सिक का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है.

दोपहर के समय सोने का है शौक तो जरूर अपनाएं ये 5 तरीके, मिलेगा भरपूर आराम

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए नींद बहुत जरूरी है। यह दिन के दौरान होने वाली गतिविधियों को बेहतर तरीके से करने में मदद करती है। इसलिए विशेषज्ञ दिन में 10 से 20 मिनट तक झपकी लेने की सलाह देते हैं। इसे पावर नैप कहा जाता है। यह आपको तरोताजा और ऊर्जावान महसूस कराता है। आइए आज हम आपको पावर नैप लेने के तरीके बताते हैं, जिनसे आपको भरपूर आराम मिलेगा।

पावर नैप के लिए सही समय चुनें

पावर नैप के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। विशेषज्ञ दोपहर 2 से 4 बजे के बीच पावर नैप लेने की सलाह देते हैं। यह समय दोपहर के भोजन के बाद आता है, जब शरीर में ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है। इस समय के बीच में पावर नैप लेने से नींद में गहराई और गुणवत्ता बढ़ जाती है, जिससे आप तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

आरामदायक जगह चुनें

पावर नैप के लिए एक आरामदायक और शांत जगह चुनें। यह जगह ऐसी होनी चाहिए जहां आपको कोई परेशान न करे और शांति हो। एक नरम तकिया और कंबल रखें ताकि आप आराम से सो सकें। लाइट्स कम रखें और शोर को कम करने की कोशिश करें। अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें ताकि अंधेरा हो जाए और नींद जल्दी आ सके। इस तरह की व्यवस्था से आपका पावर नैप और भी प्रभावी होगा।

अलार्म लगाएं: पावर नैप के दौरान अलार्म लगाना बहुत जरूरी है, ताकि आप समय पर उठ सकें। 10 से 20 मिनट की झपकी लेने के बाद अलार्म सेट करें ताकि आप गहरी नींद में न डूब जाएं और समय पर उठ सकें। अलार्म से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी ज्यादा लंबी न हो और आप अपनी दिनचर्या को सही समय पर जारी रख सकें। इससे आपकी ऊर्जा स्तर बना रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

हल्के भोजन का सेवन करें: पावर नैप लेने से पहले हल्का भोजन करें ताकि आपकी पाचन क्रिया पर ज्यादा दबाव न पड़े। भारी भोजन से नींद में रुकावट आ सकती है और आप आराम से नहीं सो पाएंगे। फल या हल्की स्नैक्स लें, जो आसानी से पच जाएं। इससे आपकी ऊर्जा स्तर बना रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। भारी भोजन से बचें ताकि आपकी नींद में कोई बाधा न आए और आप भरपूर आराम कर सकें।

नियमित रूप से पावर नैप लेने की आदत डालें

पावर नैप नियमित रूप से लेने की आदत डालें ताकि यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाए। इससे आपका शरीर समय पर झपकी लेने के लिए तैयार रहता है और आपको बेहतर परिणाम मिलते हैं। नियमित पावर नैप लेने से आपकी ऊर्जा स्तर बना रहेगा, मानसिक स्पष्टता बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इस तरह आप अपने दिनचर्या को संतुलित रख पाएंगे और अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे।